

विजयकाली माता मंदिर पहुंच मार्ग के मजबूतीकरण की मांग, श्रद्धालुओं ने विधायक को सौंपा ज्ञापन



दतिया। श्री विजयकाली माता मंदिर के पहुंच मार्ग के मजबूतीकरण की मांग को लेकर देवी मां के भक्तों ने पूर्व पार्षद बृजेन्द्र सिंह बैस के नेतृत्व में दतिया विधायक घनश्याम सिंह को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपने वालों में माता मंदिर के पुजारी

आनन्द मिश्रा, होरा सेठ, पवन सोनी, उमेश श्रीवास्तव, अपूर्व तिवारी, सतीश सिहारे, शैलेंद्र सिंह बुन्देला, अजय सिंह परिहार काका, अर्जुन सिंह बैस आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे। ज्ञापन में बताया गया

कि दतिया शहर की कुलदेवी विजयकाली माता का मंदिर अति प्राचीन एवं लाखों लोगों की धार्मिक आस्था का केन्द्र है। प्रतिदिन माता मंदिर पर सुबह से श्रद्धालु एवं माता बहिनं मां विजयकाली के दर्शन, जलाभिषेक एवं पूजा अर्चना करने पहुंचते

हैं। मंदिर पर वर्ष में दो बार नवरात्र में विशाल मेला लगता है जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु, देवी मां के भक्त मंदिर पहुंचते हैं। यह कि मां विजयकाली माता मंदिर का पहुंच मार्ग बहुत जर्जर हालत में है। करीब एक किमी मार्ग में एक सैकड़ छोटे बड़े गड्ढे हैं।

इन गड्ढों के कारण मंदिर पर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों को काफी असुविधा होती है, इसके अलावा मंदिर के समीप ऐतिहासिक महत्व की इमारत सतखंड महल भी स्थित है महल पर देश विदेश से सैलानी आते हैं जो जर्जर मार्ग के कारण परेशानी उठाते हैं। अतः विनम्र अनुरोध है कि मां विजयकाली माता मंदिर के पहुंच मार्ग को टाउनहाल से माता मंदिर तक, गोविंद गंज से पुरानी जेल मार्ग

होकर मातन का पहरा तक एवं गाथित्री गार्डन से मातन के पहले तक तथा पटवा तिराहा से भटियारा मोहल्ला होते हुए मातन का पहरा तक सड़क मार्ग का मजबूतीकरण, पेंचवर्क कार्य शारदीय नवरात्र प्रारंभ होने के पूर्व अति आवश्यक रूप से पूर्ण कराया जाए। मांग करने वालों में विपुल नीखरा, प्रकाश सोनी, पंकज सोनी, सुजीत सोनी, तनिष्क व्यास, सोनू झंड गुरु, सुभाष अहिरवार, करण वर्मा, आकाश सोनी, आरके वर्मा, शैलेश सिंधी, पिकी, दीप्ति, ज्योति प्रजापति, मोना, आशीष, कमला साहू, ज्योति सोनी, निधि रायकवार, भारती रायकवार, दया, हिमांशु ताम्रकार, राजेन्द्र गुरेले, आरके तिवारी, दीपक राते, अमित विश्वकर्मा, बंटी, राजेंद्र प्रसाद गुप्ता आदि शामिल हैं।

सैंवढ़ा विधायक ने ग्राम बरा में 42.50 लाख के विकास कार्यों का किया भूमि पूजन

दतिया। सैंवढ़ा विधानसभा की तहसील इंदरगढ़ के ग्राम पंचायत चकबैना अंतर्गत ग्राम बरा में स्थित सिद्ध बाबा मंदिर पर घाट का निर्माण 35 लाख रुपए की लागत से किया गया जिसका लोकार्पण बुधवार को क्षेत्रीय विधायक प्रदीप अग्रवाल ने विधि-विधान से किया। वहीं तीन लाख की लागत से ग्राम में बनने वाले प्रवेश द्वार निर्माण का भूमि पूजन, ग्राम में सीसी रोड निर्माण 4.50 लाख का भूमि पूजन किया गया। यहां कुल 42 लाख 50 हजार की लागत से विभिन्न निर्माण होने वाले विकास कार्यों का विधायक श्री अग्रवाल ने संतो की उपस्थिति में बतौर मुख्य अतिथि भूमि पूजन एवं लोकार्पण किया। इससे पूर्व विधायक श्री अग्रवाल ने मंदिर में दर्शन किए एवं संतो का आशीर्वाद लिया। विधायक श्री अग्रवाल ने कहा कि यहां बहुत दिनों से



घाट बनवाने की मेरी प्रबल इच्छा थी लेकिन बजट के अभाव के कारण यह कार्य नहीं हो पा रहा था। अब प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा विकास के लिए खूब बजट दिया जा रहा है उनके द्वारा प्रदत्त बजट से मैंने यहां के घाट के लिए राशि स्वीकृत की थी। आज लंबे इंतजार के बाद घाट का निर्माण हो गया है। इस अवसर पर विधायक श्री अग्रवाल ने उपस्थित लोगों की समस्याएं सुनी और मौके पर ही निराकरण भी किया। कार्यक्रम का संचालन दीपक यादव ने किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में बरा सरकार धाम के संत, श्रीमती आरती जाटव, अनूप दांतरे, जोगिंदर सिंह जाट, सुजान सिंह रावत, पहलवान सिंह कुशवाहा, राकेश मुद्गल, पवन पादक, खेम सिंह कुशवाहा, कमल सिंह कुशवाहा, हरनारायण सेन आदि शामिल रहे।

कांग्रेस ने तय की रणनीति, जनहित के मुद्दों पर भाजपा सरकार को घेरेगी

कांग्रेस समन्वय समिति की बैठक संपन्न, जिलाध्यक्ष- विधायक रहे उपस्थित

दतिया। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा बुधवार को सर्किट हाउस पर समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस संगठन प्रभारी रामलखन सिंह दंडेलिया ने की। बैठक में दतिया विधायक घनश्याम सिंह, भांडेर विधायक फूल सिंह बैरैया, जिलाध्यक्ष अशोक दाम्गी बगदा, विधानसभा प्रभारी दशरथ सिंह गुर्जर, पूर्व विधायक राधे लाल बघेल, प्रदेश महासचिव अवधेश नायक एवं जिला संगठन महासचिव नरेन्द्र गुर्जर सहित तीनों विधानसभा क्षेत्रों के ब्लॉक अध्यक्ष, मोर्चा संगठनों के जिलाध्यक्ष, पूर्व मंत्री आदि मौजूद रहे।

इन लोगों को मिली जिम्मेदारी: बैठक में सर्वसम्मति से जिला अनुशासन समिति का गठन किया गया जिसमें नारायण सिंह बाबू जी, आनंद शर्मा, पार्षद मुन्ना खान, नारायण दास प्रजापति एवं एवं बीएल केन को सदस्य बनाया गया। सभी अनुशासन समिति के सदस्यों का कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने



फूल मालाओं से स्वागत किया। बैठक में मंडलम से लेकर ब्लॉक स्तर तक आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए संगठन प्रभारी श्री दंडेलिया ने कहा कि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करते हुए कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर जनता के मुद्दों की लड़ाई लड़नी होगी। कांग्रेस कार्यकर्ता गांव-गांव और बूथ-बूथ तक पहुंचकर भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों को जनता के सामने रखेंगे। दतिया विधायक घनश्याम सिंह ने कहा कि कांग्रेस का संघर्ष सत्ता के लिए नहीं बल्कि जनता के अधिकारों और

समस्याओं के समाधान के लिए है उन्होंने कहा जनहित के मुद्दों को लेकर सड़क से उठन तक मजबूती से आवाज उठाई जाएगी। भांडेर विधायक फूल सिंह बैरैया ने कहा कि समन्वय समिति का उद्देश्य संगठन को मजबूत कर कार्यकर्ताओं को एकजुट करना है। कांग्रेस जनता से जुड़े हर मुद्दे को मजबूती से उठाएगी और भाजपा सरकार की नाकामियों के खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष करेगी। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अशोक दाम्गी बगदा ने कहा कि संगठन की मजबूती ही कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत है तीनों विधानसभा क्षेत्रों में

बूथ से लेकर जिला मुख्यालय तक प्रभावी आंदोलन और कार्यक्रम आयोजित कर भाजपा सरकार को जनता के सवालों पर जवाब देना होगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि जनहित के मुद्दों को लेकर कांग्रेस जिलेभर में बूथ स्तर से जिला मुख्यालय तक चरणबद्ध तरीके से आंदोलन करेगी विधानसभा प्रभारी दशरथ सिंह गुर्जर ने कहा कि बूथ स्तर से मंडलम, ब्लॉक तक संगठन को सक्रिय कर कांग्रेस की विचारधारा और जनहित के मुद्दों को घर-घर तक पहुंचाया जाएगा। कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी से जिले में कांग्रेस संगठन को और मजबूत किया जाएगा। इस अवसर पर रामकिंकर गुर्जर, अजय शुक्ला, रज्जन खान, गगन गुप्ता, शिशुपाल यादव, लक्ष्मण यादव, देशराज कुशवाहा, शैलेंद्र यादव, मान सिंह कुशवाहा, नारायण दास प्रजापति, रामू गुर्जर मोहन कुशवाहा, बादशाह खान आदि उपस्थित रहे।

गौवंश के जमावड़े से लोग परेशान, हादसों का खतरा

विदिशा। शहर की सड़कों और चौराहों पर बैठे निराश्रित गोंवश अब सिर्फ यातायात में बाधा नहीं, बल्कि हादसों की बड़ी वजह बनते जा रहे हैं। मुख्य मार्गों से लेकर चौराहों और हाइवे तक जगह-जगह गाय और सांडों का जमावड़ा दिखाई देता है। अचानक सड़क पर बैठे गोंवश के सामने आ जाने से वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं, वहीं सांडों की लड़ाई में राहगीरों और वाहन चालकों के घायल होने की घटनाएं भी सामने आ रही हैं। हालात यह हैं कि सड़कें वाहनों के लिए हैं या गोंवश के लिए, यह सवाल शहरवासियों को परेशान करने लगा है। पिछले कुछ समय से शहर में सड़क पर गोंवश के कारण होने वाली घटनाओं में बढ़ोतरी देखी जा रही है। कहीं सड़क के बीचों-बीच गायों का झुंड बैठा नजर आता है तो कहीं सांडों का जमावड़ा यातायात के लिए खतरा बना रहता है। रात के समय स्थिति और गंभीर हो जाती है, जब कम रोशनी में सड़क पर बैठे गोंवश वाहन चालकों को दिखाई नहीं देते। ऐसे में अचानक ब्रेक लगाने या उन्हें बचाने के प्रयास में हादसे होने का खतरा बना रहता है।

चौराहों पर गोंवश, पैदल निकलना भी मुश्किल: शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और बाजार क्षेत्रों में गोंवश के बैठे रहने से पैदल यात्रियों को भी परेशानी उठनी पड़ रही है। कई स्थानों पर गायों के झुंड और सांडों का जमावड़ा यातायात को प्रभावित करता है। दुकानदारों के मुताबिक सांडों की लड़ाई के दौरान आसपास रखे सामान को नुकसान पहुंचने का खतरा भी बना रहता है।

हादसा होने के बाद जागोगा सिस्टम : इस समस्या को लेकर अधिकांश लोगों ने शासन-प्रशासन और नगर पालिका को जिम्मेदार ठहराया है। लोगों का कहना है कि जब सड़कों पर गोंवश के कारण लगातार हादसों का खतरा बना हुआ है तो स्थायी समाधान क्यों नहीं किया जा रहा। उनका सवाल है कि क्या किसी बड़े हादसे के बाद ही जिम्मेदार विभाग पूरी तरह जागोगा। हालांकि कुछ लोगों ने इसके लिए खुद को और गोपालकों को भी जिम्मेदार माना। उनका कहना है कि पहले लोग घरों में गाय पालते थे, उनकी देखभाल करते थे और दूध का उपयोग करते थे।



सावरगांव पहुंचा प्लास का झंडा, जाम नदी किनारे पत्थरों के ढेर, गोटमार मेले की तैयारियां अंतिम दौर में

समय जगत ,पांडुना । विश्व प्रसिद्ध और सदियों पुरानी परंपरा से जुड़े गोटमार मेले का उत्साह पांडुना और सावरगांव में बढ़ने लगा है। आगामी 11 सितंबर, शुक्रवार को होने वाले मेले को लेकर दोनों गांवों में तैयारियां तेज हो गई हैं। जाम नदी के दोनों किनारों पर सजावट और अन्य व्यवस्थाओं के साथ बड़ी संख्या में पत्थरों के ढेर भी नजर आने लगे हैं। वहीं परंपरा के अनुसार सावरगांव पक्ष के सुरेश कावले परिवार के घर प्लास का झंडा पहुंचने के साथ ही मेले की पारंपरिक शुरुआत हो गई है। परंपरा के तहत ग्रामीण जंगल से प्लास का झंडा विधिवत पूजा-अर्चना के बाद ढोल-नगाड़ों के साथ लेकर सावरगांव पहुंचे। मान्यता के अनुसार पोला पर्व के दूसरे दिन जाम नदी के बीच प्लास का झंडा स्थापित किया जाता है। इसके बाद पांडुना और सावरगांव पक्ष के लोग जाम नदी के दोनों किनारों से एक-दूसरे पर पत्थर बरसाते हैं। पांडुना पक्ष द्वारा झंडा तोड़े जाने के साथ इस पारंपरिक आयोजन का समापन माना जाता है।

जाम नदी के दोनों किनारों पर तैयारियां तेज: मेले से कुछ दिन पहले ही जाम नदी के दोनों किनारों पर गतिविधियां बढ़ गई हैं। पांडुना और सावरगांव पक्ष के लोग नदी किनारे झंडियों और अन्य सजावटी सामग्री से क्षेत्र को सजा रहे हैं। चंडी माता मंदिर सहित मेला स्थल पर अंतिम व्यवस्थाएं की जा रही हैं। नदी के दोनों किनारों पर पत्थरों के ढेर भी पहले से दिखाई देने लगे हैं,



जिनका इस्तेमाल मेले के दौरान पारंपरिक पत्थरबाजी में किया जाता है।

मेले को लेकर बढ़ा उत्साह: गोटमार मेले के करीब आते ही दोनों गांवों में उत्साह का माहौल है। 11 सितंबर को बड़ी संख्या में लोग जाम नदी के दोनों किनारों पर पहुंचेंगे और सदियों पुरानी परंपरा के साक्षी बनेंगे। चंडी माता मंदिर और जाम नदी का क्षेत्र मेले का मुख्य केंद्र रहेगा।

परंपरा के साथ जुड़ी दर्दनाक स्मृतियां: गोटमार मेला अपनी अनूठी परंपरा के कारण देशभर में चर्चित है, लेकिन इसके साथ दर्दनाक घटनाओं का इतिहास भी जुड़ा रहा है। पत्थरबाजी के दौरान हर वर्ष कई लोग घायल

होते हैं और अतीत में कई लोगों की जान भी जा चुकी है। किसी ने अपना बेटा, किसी ने पति तो किसी ने भाई खोया है। ऐसे में मेले के उत्साह के साथ सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी विशेष चिंता रहती है।

सुरक्षा व्यवस्था पर है प्रशासन का फोकस: मेले को लेकर जिला प्रशासन ने भी तैयारियां तेज कर दी हैं। श्रद्धालुओं और मेले में आने वाली भीड़ की सुरक्षा के लिए पुलिस बल की तैनाती, नदी किनारे सुरक्षा इंतजाम और भीड़ नियंत्रण की व्यवस्था की जा रही है। प्रशासन का पूरा फोकस मेले के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने और लोगों को सुरक्षित रखने पर है।

सार-समाचार

पुलिस लाइन में आयोजित हुई बलवा ड्रिल



विदिशा, समय जगत । आगामी त्योहारों एवं भीड़-भाड़ वाले आयोजनों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस लाइन में बलवा ड्रिल का आयोजन किया गया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस द्वारा आशु गैस के गोले छोड़े गए और घायलों को एंबुलेंस की मदद से इलाज के लिए भिजवाया गया। पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी की उपस्थिति में व्यापक बलवा ड्रिल का आयोजन पुलिस लाइन ग्राउंड पर किया गया। अभ्यास के दौरान पुलिस बल ने आकस्मिक भीड़ नियंत्रण, दंगा-रोधी कार्रवाई, आपदा प्रबंधन एवं कानून-व्यवस्था संबंधी परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने की तैयारियों का प्रदर्शन किया। बलवा ड्रिल में अशु गैस पार्टी, केन पार्टी, लाठी पार्टी, राइफल पार्टी, रिजर्व पार्टी, स्ट्रेचर पार्टी, वज्र वाहन सहित बलवाई दल को शामिल कर विभिन्न परिस्थितियों का माॅक अभ्यास किया गया। जवानों ने भीड़ को नियंत्रित करने एवं तितर-बितर करने, अशु गैस के उपयोग, वाटर केनन, बैरिकेडिंग तथा प्राथमिक चिकित्सा जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं का लाइव प्रदर्शन किया। अभ्यास के दौरान पुलिस अधिकारियों द्वारा जवानों को बलवा एवं अन्य कानून-व्यवस्था संबंधी परिस्थितियों में संपन्न, अनुशासन एवं त्वरित निर्णय के साथ कार्रवाई करने तथा उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। ड्रिल में पुलिस बल ने आपसी समन्वय एवं तत्परता के साथ विभिन्न परिस्थितियों से निपटने का अभ्यास किया। पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने कहा कि त्योहारों के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। नियमित प्रशिक्षण एवं इस प्रकार की माॅक ड्रिल से किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में पुलिस की त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित होती है। उन्होंने कहा कि पुलिस बल द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के अभ्यास आयोजित कर कानून-व्यवस्था संबंधी चुनौतियों से निपटने की तैयारियों को लगातार मजबूत किया जा रहा है। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोनिका तिवारी, एसडीओपी लटेरी अमरेश बोहरा, एसडीओपी कुरवाई रोशनी सिंह, डीएसपी अजाक पंकज गीते, डीएसपी भूर सिंह चौहान, डीएसपी मासूम पटेल, रक्षित निरीक्षक नीरज सिंह सिकरवार, कटौल प्रभारी निरीक्षक हिरदय कुशराम सहित समस्त थाना/चौकी प्रभारी एवं बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला न्यायालय परिसर से आज रवाना होंगे

नेशनल लोक अदालत के प्रचार-प्रसार वाहन

विदिशा। आगामी तृतीय नेशनल लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं आमजन को लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों के त्वरित एवं आपसी सहमति से निराकरण के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से प्रचार-प्रसार वाहनों को रवाना किया जाएगा। इस संबंध में गुरुवार 10 सितंबर को प्रातः 10.30 बजे जिला न्यायालय परिसर, विदिशा में कार्यक्रम आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा प्रचार-प्रसार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। प्रचार-प्रसार वाहनों के माध्यम से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर नागरिकों को आगामी नेशनल लोक अदालत के संबंध में जानकारी दी जाएगी। आमजन को लोक अदालत की उपयोगिता, इसमें प्रकरणों के निराकरण की प्रक्रिया तथा आपसी सहमति से विवादों के समाधान के संबंध में जागरूक किया जाएगा। नेशनल लोक अदालत का उद्देश्य पक्षकारों को सरल, त्वरित एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराना है।

समय जगत, मंडीदीप। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल के तत्वावधान में बुधवार को होटल सिल्क में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत राहनीयपूर्ण संगठनात्मक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश मंत्री एवं जिला प्रभारी राजो मालवीय, भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा तथा मंडल प्रभारी राकेश तोमर, मंडल अध्यक्ष पवन श्रीवास्तव, ग्रामीण अध्यक्ष महेंद्र मैथिल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अभियान की रूपरेखा एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। मंडल महामंत्री अमित जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यशाला को संबोधित करते हुए

प्रदेश मंत्री एवं जिला प्रभारी राजो मालवीय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल राहनीयपूर्ण संगठनात्मक संगठन ही नहीं, बल्कि सेवा और जनकल्याण को अपना प्रमुख ध्येय मानने वाला संगठन है। सेवा संकल्प पटवा तथा मंडल प्रभारी राकेश तोमर, मंडल अध्यक्ष पवन श्रीवास्तव, ग्रामीण अध्यक्ष महेंद्र मैथिल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अभियान की रूपरेखा एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। मंडल महामंत्री अमित जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यशाला को संबोधित करते हुए



कें। भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के

उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले एक माह के विभिन्न सेवा एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी कार्यकर्ताओं को दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास और जनसेवा के नए आयाम स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री के जन्मदिवस को सेवा और समर्पण की भावना के साथ मनाते हुए प्रत्येक कार्यकर्ता सप्ताह के

राकेश तोमर ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन की आगामी कार्ययोजना, बूथ स्तर तक अभियान की गतिविधियों तथा कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यशाला में सेवा गतिविधियों, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार, समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंच तथा कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही आगामी कार्यक्रमों को प्रभावी एवं व्यवस्थित रूप से आयोजित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर भाजपा मंडीदीप मंडल के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, विभिन्न मोर्चों एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संपादकीय

प्रधानमंत्री की वड़ोदरा सभा के हैं खास मायने

प्रधानमंत्री ने गत दिवस गुजरात के वड़ोदरा में विशेष सभा की संबोधित किया। भारतीय राजनीति में लंबे समय तक जनसभा का अर्थ था मंच, माहक, भाषण और तालियां नेता बोलता था और जनता सुनती थी। सोशल मीडिया और डिजिटल संचार ने इस व्यवस्था को बदल दिया है। आज युवा नेता का भाषण सुनने के बजाय उसके छोटे वीडियो देखता है, उसके वक्तव्य पर प्रतिक्रिया देता है और उसी समय अपनी राय भी सार्वजनिक कर सकता है। राजनीतिक दलों को अब केवल सभा आयोजित करने से संतुष्ट नहीं मिल सकती। उन्हें यह समझना पड़ रहा है कि युवा किस भाषा में बात सुनना चाहता है और किस माध्यम से राजनीतिक संदेश उसके पास पहुंच सकता है। वड़ोदरा का आयोजन इसी बदलाव का उदाहरण रहा। प्रधानमंत्री का रैंप पर चलकर युवाओं के बीच पहुंचना प्रतीकात्मक रूप से उस दूरी को कम करने की कोशिश थी जो आमतौर पर बड़े मंच और दर्शकों के बीच होती है। लोकप्रिय गीतों का इस्तेमाल भी यह बताता है कि राजनीतिक आयोजनों की प्रस्तुति में मनोरंजन और युवाओं की सांस्कृतिक पसंद को जगह मिल रही है। राजनीति की भाषा गंभीर रह सकती है, लेकिन उसका माध्यम अब बदल रहा है। यह बदलाव केवल भाजपा तक सीमित नहीं है। कांग्रेस भी छात्रों और युवाओं के बीच सीधे संवाद का प्रयास कर रही है। राहुल गांधी की सोशल मीडिया गतिविधियां और छात्र-केंद्रित कार्यक्रम इस बात के संकेत हैं कि विपक्ष भी नई पीढ़ी तक अपनी बात पहुंचाने के लिए पारंपरिक तरीकों से आगे बढ़ रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से युवाओं और किशोरों के साथ संवाद कार्यक्रमों पर बढ़ता जोर भी इसी व्यापक बदलाव का हिस्सा है। इसका अर्थ साफ है कि जेन-जी अब भारतीय राजनीति का ऐसा वर्ग है, जिसे कोई भी बड़ा राजनीतिक संगठन नजरअंजब नहीं कर सकता। युवाओं की राजनीतिक अहमियत केवल इसलिए नहीं बढ़ी है कि वे सोशल मीडिया का ज़्यादा इस्तेमाल करते हैं। उनकी संख्या भी चुनावी गणित को प्रभावित करने वाली है। 2024 के लोकसभा चुनाव में 18 से 29 वर्ष आयु वर्ग के मतदाताओं की हिस्सेदारी करीब 22.78 प्रतिशत बताई गई थी। यानी लगभग हर चार मतदाताओं में एक युवा था। आने वाले विधानसभा चुनावों में भी यह वर्ग राजनीतिक दल के लिए निर्णायक भूमिका निभा सकता है। क्यों कि आले कुछ महा में ही देश के लगभग 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव संपन्न होने हैं।

आपदाओं से निपटने जरूरी है आधुनिक तकनीकों का विकास

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

आज संवाद या विचार का पिथय यह नहीं रह गया है कि नेपाल त्रासदी में कितने लोगों ने अपनी जान गंवाई है या कितनी जन-धन हानि हुई है अपितु यह हो जाता है कि इस तरह की त्रासदी से निपटने के लिए हम कहां तक तैयार हैं। सवाल यह भी है कि ऐसे हालात क्यों होते जा रहे हैं। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि दुनिया के देशों के लिए नेपाल त्रासदी को हल्के में लेना बड़ी भूल होगी। 2020 की कनाडा की रॉक स्लाइड और 2023 की सिक्किम में साइथ ल्हेनक झील की ग्लेशियल फटने की घटना हमारे सामने हैं। यह कोई पहली या अंतिम घटनाएं नहीं हैं अपितु देखा जाएं तो यह समय रहते प्रयास नहीं किये गये तो ऐसी घटनाओं की आवृत्ति जल्दी जल्दी और अतिविनाशकारी होगी, इससे नकारा नहीं जा सकता। जनवायु परिवर्तन के कारण पिछले सालों में जिस तरह से प्रकृति का विकराल रुप देखने को मिल रहा है वह चाहे तुफानों के रुप में हो, चाहे जंगलों में लगाती आग के कारण हो, ग्लेशियरों के पिघलने की हो, ग्लेशियलों के फटने की हो, भूकंपों की हो, बैमौसम आंधी बरसात की हो, अतिवृष्टि या अनावृष्टि की हो, मौसम चक्र में घले ही आंशिक परिवर्तन की हो या समुद्री तुफानों की बढ़ती फ्रिक्वेंसी की हो बेहद गंभीर हो जाती है। वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों की लगातार चेतावनी को नजरअंदाज करने का ही परिणाम है कि नेपाल जैसी त्रासदियां आम होती जा रही है। यह केवल नेपाल या इससे जुड़े क्षेत्र के लिए ही गंभीर हालात नहीं हैं अपितु अमेरिका, चीन, भारत सहित दुनिया के दस देश नेपाल जैसी त्रासदी के मुहाने पर खड़े हैं। ग्लेशियल के फटने या यों कहें किग्लेशियल लेक आउटब्रेस्ट फ्लड यानी कि ग्लोफ जैसे हालात का भी इसने दायरों में आने वाले देशों में हो सकते हैं। यह भी सही है कि अभी तक भारत-नेपाल ही नहीं दुनिया के इस दायरों में आने वाला कोई भी देश इन आपदाओं से निपटने में पूरी तरह सक्षम नहीं हो सके हैं। जानकारों की मानें तो भारत, चीन, पाकिस्तान, पेरू के एक करो? 50 लाख लोग इनके दायरों में सीधे सीधे आ रहे हैं। यह वह लोग है जो इन ग्लेशियलों के एक किलोमीटर से 10 किलोमीटर के दायरों में रह रहे हैं। आज ग्लोफ खतरों के दायरों में भारत, पाकिस्तान, कनाडा, पेरू, अमेरिका, चिली, इटली, नेपाल और कोलंबिया आए हुए हैं। उत्तराखंड त्रासदी हमारे सामने हैं और उस त्रासदी के परिणाम सामने होने के बावजूद लगभग साल द्र साल भूस्खलन के मामले हर सीजन में सामने आ रहे हैं। यह सामने हो जाना चाहिए कि प्रकृति से एक सीमा से अधिक खिलवाड़ किया जाता है तो विकृति का सामना हमें करना ही पड़ेगा। जीवनदायी यही प्रकृति अपने विकराल रुप में पकटवा करती है। ऐसे में समय के साथ सबक लेना जरुरी हो जाता है। आज सारी दुनिया में पर्यावरण संरक्षण की बात तो की जाती है पर उस पर अमल पूरी तरह से हो नहीं जा रहा है। विशेषज्ञों की माने तो हालात यही रहे तो सदी के अंत तक समुद्र का जलस्तर दो मीटर तक ब? सकता है। तो दूसरी और अभी से समुद्र तटीय कई शहर डूबने की जद में आने की चेतावनियां दी जा रही है।

नेपाल की हालिया त्रासदी का कारण ग्लेशियल का फटना माना जा रहा है। दरअसल ग्लेशियर और ग्लेशियल में हमें भेद करके चलना होगा। ग्लेशियर भौगोलिक संरचना होती है। यह पहाड़ों और ध्रुवों पर लंबे समय से जमा बर्फ खण्ड होते हैं। यह अपने गुरुत्वाकर्षण के कारण जमे रहते हैं पर जलवायु परिवर्तन और तापमान के बढ़ने के कारण आज बड़ी मात्रा में ग्लेशियर के पिघलने की गति तेज होती जा रही है। दरअसल ग्लेशियरों के बड़े खण्डों के पिघल कर गिरने से ग्लेशियल झील बनती हैं। ग्लेशियल झील बन जाती है इसे हिमनदी झील भी कह सकते हैं। नेपाल की हालिया त्रासदी ग्लेशियल झील के फटने के कारण ही हुई है। वैज्ञानिकों की माने तो ग्लेशियलों के निर्माण की गति में काफी तेजी आई है। यदि हम हिमालय क्षेत्र की ही बात करें तो सतलुज बेसिन में 2019 में 560 ग्लेशियल झीलें थी जो चार साल या तो 2023 तक 1048 हो गई हैं। नेपाल त्रासदी ग्लेशियल लेक आदटबर्स्ट फ्लड यानी की ग्लोफ का परिणाम है। साधारण शब्दों में कहा जाए तो यह ग्लेशियल झील के फटने का परिणाम है। ऐसा नहीं है कि वैज्ञानिक इस हालातों पर नजर नहीं रख रहे हो बल्कि देखा जाएं तो लौंडस विश्वविद्यालय के ग्लेशियल प्लेटॉइज के विशेषज्ञ डॉ. जानाथन कारीविक पहले ही चेता चुके हैं। हमारे देश के ही राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एनडीएमए के विशेषज्ञ ने नेपालन ग्रीन ट्रिब्यूनल एनजीटी को रिपोर्ट प्रस्तुत कर हालात से रूबरू कराने के साथ ही उसे सुझाव भी दिए हैं। दरअसल एक सीमा से अधिक प्रकृति से छेड़छाड़ का ही परिणाम इस तरह की त्रासदियां होती हैं। आज लाख चेतानें के बावजूद सतलुज बेसिन में बांधों के साथ साथ विद्युत परियोजनाओं सहित विकास परियोजनाओं का दखल ब? है। एक सीमा से अधिक मानवीय दखल बढ़ी है। इससे तापमान में खगभाविक रुप से ब?तरी होने के साथ ही अपशिष्ट भी फैल रहा है। दरअसल प्रकृति से प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रुप से छेड़छाड़ बढ़ रही है। एनडीएमए ने साफ साफ कहा है कि सतलुज बेसिन में नए निर्माण कार्यां या नई परियोजनाओं की स्वीकृति से पहले उनके परिणामों का भली प्रकार से अध्ययन और विश्लेषण किया जाए।

{ विचार पीठ }

विनोबा भावे के भूदान एवं सर्वोदय में सबका विकास संभव

नजरिया

जब कोई राष्ट्र आर्थिक समृद्धि, तकनीकी प्रगति और वैश्विक प्रतिष्ठा की ओर बढ़ता है, तब उसके सामने एक बड़ा प्रश्न खड़ा होता है-क्या विकास केवल भौतिक उपलब्धियों का नाम है अथवा मनुष्य के भीतर नैतिकता, करुणा, सह-अस्तित्व और जिम्मेदारी का विकास भी उसका अनिवार्य हिस्सा है? आज भारत ‘नया भारत’, ‘विकसित भारत’ और ‘समृद्ध भारत’ के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में आचार्य विनोबा भावे का

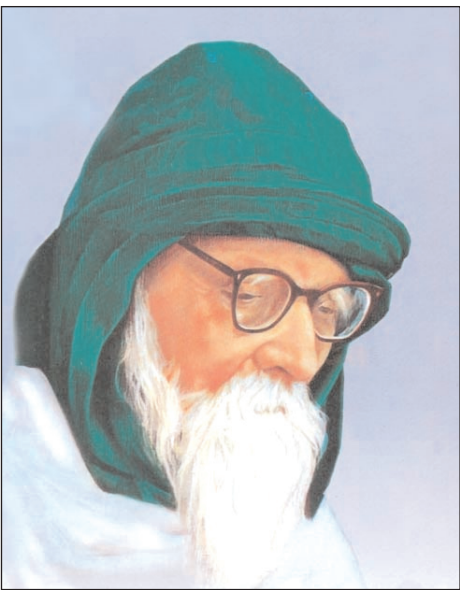
ललित गर्ग

विनोबा की अपनी स्वतंत्र वैचारिक भूमि थी। वे संत ज्ञानेश्वर और संत तुकाराम से प्रेरित थे, भावद्वैता उनके जीवन का आध्यात्मिक आधार थी और समाज-परिवर्तन उनके चिंतन का व्यावहारिक पक्ष। विनोबा का सबसे बड़ा योगदान यह था कि उन्होंने आध्यात्मिकता को समाज की वास्तविक समस्याओं से जोड़ा। भूदान आंदोलन इसका अद्भुत उदाहरण है। वे गाँव-गाँव पैदल गए और भूमिधरों से अपनी भूमि का एक हिस्सा भूमिहीनों के लिए दान करने का आग्रह किया। यह केवल भूमि का हस्तांतरण नहीं था, बल्कि स्वामित्व की मानसिकता से साझेदारी की चेतना की ओर बढ़ने का प्रयास था। आगे चलकर भूदान से ग्रामदान की अवधारणा विकसित हुई- ‘सारी भूमि गोपाल की’। इसमें आर्थिक न्याय के साथ सामाजिक समरसता और नैतिक उत्तरदायित्व का संदेश छिपा था। विनोबा का विश्वास था कि समाज को केवल कानूनों से नहीं, अंतरात्मा के जागरण से बदला जा सकता है। यही दृष्टि उन्हें सर्वोदय तक ले गई-ऐसा समाज जिसमें विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे और किसी के उत्थान की कीमत दूसरे के शोषण से न चुकानी पड़े। चंबल के डाकुओं को आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित करना उनके नैतिक नेतृत्व की शक्ति का प्रमाण था। उनके भीतर ऐसा विश्वास था कि मनुष्य मूलतः परिवर्तनशील है, आवश्यकता उसके भीतर की अच्छाई को जगाने की है।

विनोबा भावे और अणुव्रत आंदोलन के प्रणेता आचार्य तुलसी के बीच भी इसी नैतिक चेतना की गहरी साम्यता थी। जब आचार्य तुलसी ने अणुव्रत आंदोलन के माध्यम से व्यक्ति-निर्माण और नैतिक जागरण का अभियान प्रारंभ किया, तब अनेक राष्ट्रीय व्यक्तित्वों ने उनके प्रयासों को सहयोग और समर्थन दिया। विनोबा भावे उनमें प्रमुख थे। दोनों महापुरुष समय-समय पर मिलते रहे और देश के निर्माण में नैतिक मूल्यों की अनिवार्यता पर गंभीर विचार-विमर्श करते रहे। उनकी दृष्टि में राजनीति, समाज और अर्थव्यवस्था सभी स्वस्थ हो सकती है, जब उनका संचालन नैतिक मनुष्य के हाथों में हो। दोनों की पदयात्राओं में भी एक आत्मीय जुड़ाव दिखाई देता है। पदयात्रा उनके लिए केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने का माध्यम नहीं थी, वह

जन-संपर्क, जन-जागरण और आत्म-संपर्क की साधना थी। विनोबा कहा करते थे कि पैदल चलने से धरती का स्पर्श होता है और प्रकृति के साथ संबंध गहरा होता है। उनके विचारों की यह अनुभूति मुझे स्वयं भी हुई। अणुव्रत आंदोलन के प्रणेता आचार्य तुलसी के साथ अनेक वर्षों तक पैदल चलने का अवसर मिला। मैंने अनुभव किया कि पैदल यात्रा केवल शरीर को गतिशील नहीं करती, वह मन और मस्तिष्क के बंद द्वार भी खोलती है। रास्ते में

मिलने वाला सामान्य व्यक्ति भी शिक्षक बन जाता है और जीवन स्वयं एक खुली पाठशाला बन जाता है। मेरे परिवार का विनोबा भावे से जुड़ा एक प्रसंग आज भी मेरे लिए अत्यंत भावपूर्ण है। मेरे पिता स्व. श्री रामस्वरूप गर्ग और माता स्व. श्रीमती सत्यभामा गर्ग सर्वोदय कार्य से जुड़े हुए थे। वर्ष 1959 में विनोबा भावे पदयात्रा करते हुए अजमेर आए। उन्हें जानकारी मिली कि उनकी कार्यकर्त्री सत्यभामा गर्ग कैंसर से पीड़ित हैं और जीवन-मृत्यु के बीच संघर्ष कर रही हैं। वे उनसे मिलने इमली मोहल्ले की संकरी गलियों से होते हुए तीसरी मंजिल तक गए और उन्हें अपना आशीर्वाद दिया। यह घटना बताती है कि विनोबा का नेतृत्व केवल बड़े मंचों और आंदोलनों तक सीमित नहीं था। वे व्यक्ति के दुख को अपना दुख मानने वाले करुणाशील संत थे। इसी क्रम में अजमेर के निकट हट्टूडी में आयोजित सर्वोदय सम्मेलन का प्रसंग भी उल्लेखनीय है। मेरे पिता सर्वोदय के सक्रिय कार्यकर्ता थे। उस सम्मेलन में वे आचार्य तुलसी के शिष्य मुनि राकेश कुमार जी को भी लेकर आए। वहां विनोबा भावे के साथ उनकी लंबी और सार्थक चर्चाएं हुईं। यह केवल दो विचारधाराओं का



आपातकाल के दौरान उनके ‘अनुशासन पर्व’ संबंधी कथन ने उनके सार्वजनिक जीवन पर प्रश्न भी खड़े किए। किंतु किसी एक राजनीतिक प्रसंग से उनके पूरे जीवन के सामाजिक, आध्यात्मिक और रचनात्मक योगदान को नकारना उचित नहीं होगा। महापुरुषों को मूर्ति बनाकर पूजना जितना आसान है, उनके विचारों को आलोचनात्मक समझ के साथ जीवन में उतारना उतना ही कठिन। विनोबा ने अपने जीवन के अंतिम चरण में जैन धर्म की संलेखना-संथारा की भावना से प्रेरित होकर भोजन और दवा का त्याग किया और 15 नवंबर 1982 को देह का परित्याग किया। उनका जीवन कर्म, चिंतन, त्याग और लोकमंगल की निरंतर यात्रा था। आज भारत विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह मजबूत कर रहा है। डिजिटल क्रांति, आधारभूत संरचना, स्टार्टअप, विज्ञान और तकनीक हमें नई ऊंचाइयों तक ले जा रहे हैं। लेकिन विकसित भारत का वास्तविक अर्थ तब पूरा होगा, जब विकास के साथ विवेक भी बढ़े, संपन्नता के साथ संवेदना बढ़े और अधिकारों के साथ कर्तव्यबोध भी मजबूत हो। यही वह स्थान है जहां विनोबा आज भी हमारे समकालीन बन जाते हैं। भूदान आज भूमि से आगे

संवाद नहीं था, बल्कि उस समय के दो नैतिक प्रवाहों का मिलन था- सर्वोदय की सामाजिक चेतना और अणुव्रत की व्यक्तिगत नैतिक साधना। दोनों का लक्ष्य अंततः एक ही था-मनुष्य बदले, समाज बदले और राष्ट्र नैतिक शक्ति के आधार पर आगे बढ़े।

विनोबा का जीवन हमें यह भी सिखाता है कि महान व्यक्तित्वों का मूल्यांकन उनकी उपलब्धियों के साथ उनकी मानवीय सीमाओं और ऐतिहासिक संदर्भों में भी होना चाहिए। भारत सभी सशक्त होगा जब समाज के अंतिम व्यक्ति तक सम्मान और अवसर पहुंचे। यह विचार महात्मा गांधी के ‘अंत्योदय’, विनोबा भावे के ‘सर्वोदय’ और दीनदयाल उपाध्याय के ‘एकात्म मानववाद’ की पुनर्संमृति कराता है। आधुनिक भारत की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि विकास के लाभ समाज के सभी तबकों तक समान रूप से नहीं पहुंचते। अमीर-गरीब की खाई बढ़ती जा रही है। यदि इस खाई को नहीं भरा गया, तो राष्ट्र की प्रगति अधूरी रह जाएगी। इस तरह विनोबा जाति की संकीर्ण दौबारों को तोड़ना चाहते थे, वे कहा करते थे जाति का भेद मिटेगा तो समाज में भाईचारा और सहयोग की भावना पनवेगी।- वास्तव में जातिवाद केवल सामाजिक समस्या नहीं बल्कि मानसिकता का रोग है। जब तक समाज इसे स्वीकार करता रहेगा, तब तक सच्चा विकास संभव नहीं। विनोबा चरित्र क्रांति के साथ-साथ चरित्र-क्रांति के पुरोधा रहे। उनके द्वारा स्थापित सर्वोदय साहित्य भंडार तथा आचार्य तुलसी द्वारा स्थापित आदर्श साहित्य संघ जैसे संस्थानों ने नैतिक और प्रेरणादायक साहित्य को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन प्रयासों का उद्देश्य केवल ज्ञान का प्रसार नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और मानवीय मूल्यों का संवर्धन भी रहा है। वर्तमान समय में जब तकनीकी साधनों का विस्तार हुआ है, तब भी इसी महापुरुषों के योगदान के कारण पुस्तकों की उपयोगिता और महत्ता में कोई कमी नहीं आई है।

चेक बाउंस में तकनीक बने समाधान

डॉ. सुधीर कुमार

देश की अदालतों में करोड़ों लंबित मामलों में से एक-तिहाई से ज्यादा हिस्सेदारी अकेले नेगोशिएबल इंस्ट्रुमेंट्स एक्ट की धारा 138 यानी चेक बाउंस के मामलों की है। सुप्रीम कोर्ट से लेकर जिला अदालतों तक, चेक बाउंस के लाखों मामले लंबित हैं।

कानूनी जानकारों का मानना है कि इनमें से अधिकांश विवाद वित्तीय लेन-देन से जुड़े असंतोष या छोटी-मोटी चूकों के कारण होते हैं। इसके बावजूद, एक साधारण-सा चेक बाउंस होने पर कानूनी नोटिस भेजने से लेकर अदालत में समन जारी होने, गवाही, जिरह और फैसले तक पहुंचने में वर्षों लग जाते हैं।

सर्वोच्च न्यायालय ने भी कई मामलों में माना है कि इन मुकदमों का अंतहीन चलना व्यापारिक जगत और न्यायपालिका, दोनों के लिए घातक है। इस संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय के दो महत्वपूर्ण और लैंडमार्क फैसले हैं। अप्रैल 2021 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्वतः संज्ञान लिए गए मामले ‘इन री=एक्सपीडिएंशियस ट्रायल ऑफ केसेज अंडर सेक्शन 138 ऑफ एनआई एक्ट, 1881 (2020)’ में बड़ी बेंच ने इस बात पर गंभीर चिंता जताई थी कि देश की अदालतों में चेक बाउंस के लाखों मामले लंबित हैं और इनका अंतहीन चलना न्याय व्यवस्था व व्यापारिक माहौल, दोनों के लिए घातक है। इसके साथ ही, ‘दशरत रूपरसंह राठौड़ बनाम महाराष्ट्र’ (2014) के ऐतिहासिक मामले में भी न्यायालय ने यह रेखांकित किया है कि पारंपरिक मुकदमेबाजी में वादी और प्रतिवादी, दोनों का धन, समय और मानसिक सुकृंत नष्ट होता है। न्यायालयों ने कई बार मध्यस्थता और त्वरित न्याय प्रणालियों पर जोर दिया है, क्योंकि जिस मामले को बैंक स्तर पर या चंद दिनों में सुलझाया जा सकता है, उसे वर्षों तक चकहरी के चक्र



कटवाए जाते हैं। इस स्थिति में हमें लीक से हटकर सोचना होगा और एक ऐसा क्रांतिकारी मॉडल अपनाना होगा, जो पूरी तरह तकनीक पर आधारित हो। यहां एक अनुष्ठ और आधुनिक तरीका काम आ सकता है-‘स्मार्ट-ब्रीच ऑटो-रेजोल्यूशन पोर्टल’। कल्पना कीजिए कि जैसे ही किसी व्यक्ति का चेक बैंक में अपायॉस राशि के कारण बाउंस होता है, पारंपरिक कागजी प्रक्रिया शुरू होने के बजाय एक स्वचालित डिजिटल ट्रिगर सक्रिय हो जाए। इस नए मॉडल के तहत, बैंक स्तर पर ही एक ऐसा स्मार्ट सॉफ्टवेयर काम करे, जो तुरंत संबंधित व्यक्ति के खाते से एक निश्चित डिजिटल पेनल्टी और मूल राशि का आंशिक या पूर्ण ट्रांसफर सुनिश्चित करे; बशर्ते दोनों पक्षों के बीच पहले से डिजिटल एग्रीमेंट हो। यदि राशि को लेकर विवाद है, तो मामला सीधे कोर्ट जाने के बजाय ऑनलाइन डिस्प्यूट रेजोल्यूशन प्लेटफॉर्म पर डायवर्ट हो जाए। ऑनलाइन डिस्प्यूट रेजोल्यूशन एक ऐसा वर्चुअल कोर्ट रूम या मध्यस्थता मंच है, जहां कोई वकील, कोई तारीख और कोई कागजी फाइल नहीं होती। दोनों पक्ष घर बैठे अपने स्मार्टफोन या कंप्यूटर के जरिए अपने दस्तावेज अपलोड करते हैं। एक प्रशिक्षित एआई-असिस्टेड मॉडिफ़ायर या डिजिटल एग्लोरिथ्म दोनों पक्षों के डिजिटल रिकॉर्ड को खंगालकर 7 से 15 दिनों के भीतर एक बाध्यकारी समझौता प्रस्ताव तैयार कर देता है। यदि कोई पक्ष इसका उल्लंघन करता है, तो उसका क्रेडिट इंफॉर्मेशन ब्यूरो इंडिया लिमिटेड यानी सिबिल स्कोर स्वतः डाउन हो जाता है और उसके अन्य बैंक खातों पर स्वचालित डिजिटल होल्ड लग जाता है। यह तरीका न केवल अदालतों का बोझ कम करेगा, बल्कि आम आदमी को मानसिक तनाव से भी मुक्ति दिलाएगा।

डिजिटल न्याय प्रणाली की सफलता के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में तकनीकी समझ, इंटरनेट और स्मार्टफोन की कमी जैसी व्यावहारिक

बाधाओं को दूर करना आवश्यक है। ग्राम स्तर पर कॉमन सर्विस सेंटर या जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से डिजिटल हेल्प डेस्क बनाए जाने चाहिए, ताकि मुफ्त या कम शुल्क में तकनीकी सहायता मिल सके। जब तक डिजिटल साक्षरता और समावेशी मॉडल विकसित नहीं होंगे, तब तक न्याय का स्थानीयकरण अधूरा रहेगा। कानूनी ढांचे में दूरगामी बदलाव करते हुए सबसे पहले चेक बाउंस जैसे मामलों में प्री-लिटिगेशन मेडिएशन को अनिवार्य किया जाना चाहिए, जिससे बैंक खाते से संदेश आते ही 15 दिनों की ऑनलाइन बातचीत के जरिए आधे से अधिक मामले अदालत पहुंचने से पहले ही सुलझ सकें। इसके साथ ही, कपार्डेंडंग यानी समझौते के नियमों का स्वतः क्रियाव्यवण लागू होना चाहिए, ताकि आरोपी द्वारा डिजिटल माध्यम से मूल राशि व हर्जाना जमा करते ही, बिना अदालती चक्र और जज की अनुमति के, मामला स्वतः समाप्त होकर सिस्टम से केस क्लोजर रिपोर्ट जारी हो सके। चेक बाउंस के मामलों में लोग जेल जाने के डर से भागते फिरते हैं या कानून की कमजोरियों का फायदा उठाकर वर्षों तक तारीखें लेते रहते हैं। हमें जेल भेजने की पुरानी ब्रिटिशकालीन मानसिकता से बाहर निकलकर कड़े वित्तीय दंड और दीर्घकालिक सिबिल पाबंदियों को सबसे बड़ा हथियार बनाना होगा। जानबूझकर चेक बाउंस करने वालों पर कानूनी राशि का 3 से 5 गुना भारी जुर्माना लगाया जाए, जो सीधे पीड़ित को मिले, और उनका सिबिल स्कोर इतना गिरा दिया जाए कि वे अगले 5 वर्षों तक नया लोन या क्रेडिट कार्ड न पा सकें। जब व्यक्ति के वित्तीय जीवन पर सधा प्रहार होगा, तो वह अदालती चक्र काटने के बजाय समय पर भुगतान करना खुद-द-खुद सीख जाएगा। जब तक हम प्री-लिटिगेशन मेडिएशन, ऑनलाइन डिस्प्यूट रेजोल्यूशन और डिजिटल ऑटोमेशन को न्याय प्रणाली का हिस्सा नहीं बनाएंगे, तब तक तारीखों के इस जंजाल से राहत नहीं मिल सकती।

अहिंसा, करुणा और क्षमा से आत्मशुद्धि की ओर बढ़ने का मार्ग

डॉ. महावीर गोलेच्छा

पर्युषण पर्व जैन धर्म का वार्षिक पर्व है, जो उपवास, ध्यान, आत्म-अवलोकन, आत्म-चेतना, जागृति, स्वाध्याय, सभी प्राणियों के प्रति करुणा और क्षमा के माध्यम से स्वयं को उन्नत करने का अवसर है। दिगंबर परंपरा में इसे दशलक्षण पर्व के रूप में मनाया जाता है। इसका प्रारंभ भाद्रव शुक्ल पंचमी को होता है और समृद्धि का दिन चतुर्दशी है। वहीं श्वेतांबर जैन परंपरा में भाद्रव शुक्ल पंचमी का दिन समाधि का दिन होता है, जिसे पूर्ण त्याग, उपवास, स्वाध्याय और संयम के साथ संवत्सरी के रूप में मनाया जाता है।जैन धर्म ग्रमण परंपरा है। भगवान महावीर ने एक सामाजिक-आध्यात्मिक, अहिंसक सुधार आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्होंने वनस्पतियों और जीवों की सभी प्रजातियों को एक समग्र नैतिक समुदाय का अभिन्न अंग माना। उन्होंने जैव विविधता को मानवीय लालच से बचाने के लिए जीवदया, पशुपालन और अपरिग्रह की अवधारणा पर बल दिया। जैन धर्मावलंबियों के जीवन में पर्युषण पर्व का विशेष महत्व है। पर्युषण पर्व के दौरान सभी जैन श्रद्धालु तन और मन को आध्यात्मिक बनाने का प्रयास करते हैं। इस पर्व के दौरान प्रत्येक जैन अपनी आत्मा को शुद्ध और उन्नत करने का प्रयास करता है। इसके लिए एक श्रावक को निम्नलिखित पांच कर्तव्य अवश्य करने चाहिए- अमरी प्रवर्तन (पूर्ण अहिंसा), सधार्मिक भक्ति (समान धर्मावलंबियों की सहायता करना), क्षमापना (क्षमा याचना), अट्ठम तप (उपवास) और चैत्य परिपटी (स्थानीय जैन मंदिरों में जाना तथा जैन साधु-साध्वी के प्रवचन सुनना)। पर्युषण के दौरान एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण होता है, जो हमारे जीवन को शुद्ध करता है। इस दृष्टि से यह पर्व आध्यात्मिकता के साथ-साथ जीवन के उत्थान का भी पर्व माना जाता है। पर्युषण महापर्व अंतरात्मा की आराधना का एक माध्यम है। यह आत्म-शुद्धि और आत्म-ज्ञान का पर्व है। वस्तुतःपर्युषण महापर्व एक ऐसा प्रभात है जो हमें निद्रा से जागृति की ओर ले जाता है। यह हमें अज्ञान के अंधकार से हटाने के प्रकाश की ओर ले जाता है।

तप, जप और स्वाध्याय करते हुए हम अपनी आंतरिक शक्ति को खोज सकते हैं और सीख सकते हैं कि वास्तविक सुख अहिंसा, क्षमा, करुणा, मैत्री, अपरिग्रह में निहित है। पर्युषण एक ऐसा पर्व है, जिसमें व्यक्ति आत्मलोचन होकर आत्मसाक्षात्कार करता है और अलौकिक, आध्यात्मिक आनंद के शिखर पर आरोहण कर मोक्ष प्राप्ति के लक्ष्य की ओर बढ़ता है। इसलिए जैन धर्म की त्याग प्रधान संस्कृति में पर्युषण पर्व का अपना अनूच एवं विशिष्ट आध्यात्मिक महत्व है। पर्युषण पर्व का समापन क्षमा दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसलिए इसको एक-दूसरे को करीब लाने के पर्व भी माना जाता है। इस दिन सभी लोग अपने मन की उज्ज्वी हुई प्रार्थियों को खोलते हैं, अपने भीतर के क्रोध और ईर्ष की गाँवों को भूलते हुए, क्षमा के माध्यम से अतीत की गलतियों को दूर करते हैं व जीवन को पवित्र बनाने का प्रयास करते हैं। गीता में भी कहा गया है- आत्मोपयेन सर्वत्र, समे पश्यति योर्जुन श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा, हे अर्जुन ! मनुष्यों को समान समझो। भगवान महावीर ने कहा, मिति मैं सर्व्व भूएसु, वेरंमज्झना केण। मेरी सभी प्राणियों से मित्रता है, किसी से शत्रुता नहीं है। मानवीय एकता, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, मैत्री, शोषण रहित समाजवाद, नैतिक मूल्यों की स्थापना, अहिंसक जीवन शैली, आत्मा की उपासना आदि पर्युषण महापर्व के मुख्य आधार हैं। आज के इस परिप्रेक्ष्य में जहां कई देशों के बीच में युद्ध चल रहा है, मानवीय मूल्यों का पतन हो रहा है, परस्पर प्रतिस्पर्धा मैत्री एवं करुणा पर हावी हो रही है, इन परिस्थितियों में पर्युषण का महत्व और अधिक बढ़ गया है। आज पूरे विश्व को अहिंसा और मैत्री की आवश्यकता है। पर्युषण पर्व अहिंसा, सहिष्णुता और स्वीच्छक सादरी पर जोर देता है।इसकी शिक्षाएं न केवल आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्रदान करती हैं, बल्कि 21वीं सदी में नैतिक नीति-निर्माण, विवाद समाधान और ग्रहीय प्रबंधन के लिए व्यावहारिक ढांचे भी प्रदान करती हैं। पर्युषण पर्व एक प्रेरणा है, मार्ग है, मार्गदर्शन है और अहिंसक जीवनशैली का अभ्यास है। यह पर्व व्यक्ति, समाज, राष्ट्र को प्रेरित कर सकता है।

स्वच्छता के लिये नगर पालिका के साथ लोग भी निभाएं अपनी सामूहिक जिम्मेदारी: कलेक्टर

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को प्रभावी बनाने जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों को मिलकर करना होगा कार्य, कचरे को आय के स्रोत के रूप में विकसित करने पर जोर

समय जगत, नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कहा कि स्वच्छ और सुंदर शहर बनाने के लिए केवल नगर पालिका के प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। इसमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, सफाई कर्मचारियों, व्यापारियों और आम नागरिकों की समान भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की प्रभावी व्यवस्था के लिए सभी को अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना होगा और वाई स्तर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों को स्वच्छता अभियान का नेतृत्व करना होगा। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने यह बात पीजी कॉलेज

ऑडिटोरियम में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत स्वच्छतम पोर्टल एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आयोजित जिला स्तरीय स्वच्छता कार्यशाला में कही। कार्यशाला में नगर पालिका नरसिंहपुर के अध्यक्ष नीरज दुबे, केरली नगर पालिका की उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता नेमा, नगरपालिका नरसिंहपुर, केरली एवं गोटेगांव के जनप्रतिनिधि, पाषंदाग, मुख्य नगर पालिका अधिकारी नरसिंहपुर, गोटेगांव एवं केरली, उपयंत्री एवं स्वच्छता प्रभावी मौजूद थे। ठोस



अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं, जिनमें शासन से लेकर जिला प्रशासन, नगरीय निकायों और जनप्रतिनिधियों तक की जिम्मेदारियां निर्धारित की गई हैं। जिले में स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट

प्रबंधन के नियमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना आवश्यक है। इस दिशा में नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है और प्रत्येक निकाय की प्रगति की समीक्षा की जा रही है। कलेक्टर ने जनप्रतिनिधियों से

कहा कि उनका अपने-वार्ड के नागरिकों से सीधा संपर्क होता है और वे स्वच्छता अभियान को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। पाषंद अपने-अपने वार्डों में नियमित रूप से स्वच्छता व्यवस्था की समीक्षा करें तथा जहां भी कचरा संग्रहण, सफाई या अन्य व्यवस्था में कमी दिखाई दे, उसकी जानकारी नगर पालिका को दें। उन्होंने कहा कि कचरा संग्रहण की नई व्यवस्था प्रारंभिक चरण में है, इसलिए जनप्रतिनिधियों और नागरिकों से मिलने वाले फीडबैक के आधार पर इसमें लगातार सुधार

किया जाएगा। शहर में घर-घर से नियमित कचरा संग्रहण की व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे अपने वार्डों में इस व्यवस्था की निगरानी करें और यदि कहीं कचरा संग्रहण वाहन निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नहीं पहुंच रहा है तो इसकी जानकारी दें। उन्होंने बताया कि स्वच्छता व्यवस्था में पहले जागरूकता और समझावश को प्राथमिकता दी जाएगी। जिन स्थानों पर बार-बार कचरा डाला जाता है, वहां पहले सफाई कर लोगों को जागरूक किया जाएगा।

पुलिस द्वारा आरोपी को तत्पस्तापूर्वक किया गया गिरफ्तार
सिलवानी। शाना सिलवानी क्षेत्र के ग्राम रानीपुरा में खेत के कुएं में मृत मिली 28 वर्षीय आरती आदिवासी की मौत के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के अज्ञात कारणों का खुलासा कर आरोपी को महज 12 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, महिला की मौत हादसा नहीं बल्कि झगड़े के दौरान कुएं में धकेले जाने से हुई थी। जानकारी के अनुसार, 6 सितंबर 2026 को ग्राम रानीपुरा निवासी आरती आदिवासी, उम्र 28 वर्ष, अपने पिता प्रीतम सिंह आदिवासी के खेत में बने कुएं में मृत अवस्था में मिली थी। सूचना मिलने पर सिलवानी पुलिस ने मर्ग कायम कर प्राथमिक कार्रवाई की और शव का पोस्टमार्टम कराया। मर्ग जांच के दौरान पुलिस ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय करते हुए घटनास्थल के आसपास के लोगों एवं साक्षियों से पूछताछ की। साक्षियों के कथन, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर पुलिस को पता चला कि घटना वाले दिन सुबह करीब 9 से 10 बजे के बीच आरती और उसके पिता प्रदीप रसुवशी के बीच कुएं के पास झगड़ा और झूझाझूट की हुई थी।

साक्षिप्त समाचार

नजीराबाद भाजपा की मंडल कार्यसमिति बैठक संपन्न



समय जगत, बैरसिया। भारतीय जनता पार्टी भाजपा ग्रामीण अंतर्गत नजीराबाद मंडल की महत्वपूर्ण मंडल कार्यसमिति बैठक संगठनात्मक विषयों एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं को जिला उपाध्यक्ष एवं मंडल प्रभारी राजमल कुशवाहा और भाजपा मंडल अध्यक्ष रामबाबू गुर्जर अमरपुर का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। जिसमें उनके द्वारा सेवा संकल्प अभियान, पार्टी के संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही कार्यकर्ताओं को पार्टी की रीति-नीति एवं केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने तथा प्रांत हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ पहुंचाने की बात कही गई। बैठक के अंत में नवनिर्वाचित जिला पदाधिकारियों का फूल मालाओं एवं साफा बांधकर स्वागत स्तकार किया गया एवं वरिष्ठ नेतृत्व का आभार और धन्यवाद किया गया।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 9 वें पोषण माह का आयोजन



समय जगत, पथरिया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 अंतर्गत पोषण विषय को जनांदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष सितंबर से 9 वें पोषण माह का आयोजन किया जा रहा है, इस वर्ष की मुख्य थीम हमारी आंगनवाड़ी हमारी जिम्मेदारी है। 19 वें राष्ट्रीय पोषण माह का उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से पोषण, देखभाल एवं प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास से संबंधित सेवाओं को सुदृढ़ करते हुए समुदाय की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करना तथा पोषण सेवाओं के प्रति सामुदायिक स्वामित्व एवं जवाबदेही को बढ़ावा देना है, इसी के अंतर्गत आहार विविधता एवं पर्याप्त गर्भ पैका भोजन, सामुदायिक स्वामित्व एवं जवाबदेही, बाल विकास हेतु पोषण एवं प्रारंभिक विकास संबंधी गतिविधियां, प्रधान मंत्री मातृ वंदना योजना के माध्यम से मातृ स्वास्थ्य हेतु सहायता पर आधारित पोषण माह की गतिविधियों का आयोजन 09 सितंबर से किया जाएगा। राष्ट्रीय पोषण माह का औपचारिक शुभारंभ राष्ट्रीय स्तर वाराणसी उत्तर प्रदेश से किया गया, इसके साथ ही जिला महिला एवं बाल विकास परियोजना पथरिया अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्रों पर रेली निकालकर एवं वेबकास्ट लिंक के माध्यम से राष्ट्रीय पोषण माह शुभारंभ के सजीव प्रसारण से जुड़े।

भाजपा मंडल लटेरी की कार्यसमिति एवं आत्मनिर्भर मंडल बैठक संपन्न, सेवा पखवाड़ा की रूपरेखा की गई निर्धारित



समय जगत, लटेरी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार एवं सिरोज-लटेरी के लोकप्रिय विधायक उमाकान्त शर्मा के मार्गदर्शन में सेवा ही संकल्प अभियान के अंतर्गत भाजपा मंडल लटेरी की कार्यसमिति एवं आत्मनिर्भर मंडल बैठक लटेरी में संपन्न हुई। यह बैठक जिला मंत्री भाजपा राजकुंवर बघेल एवं वरिष्ठ भाजपा नेता लक्ष्मण सिंह बघेल की उपस्थिति तथा मंडल अध्यक्ष गोलू मालवीय विशेष रूप से उपस्थिति में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष श्री रामगुलाम राजोरिया ने की। इस दौरान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक प्रत्येक मतदान केंद्र, बूथ स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। मंडल अध्यक्ष श्री रामगुलाम राजोरिया ने बताया कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा के रूप में विभिन्न सेवा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अपने उद्घोष में जिला मंत्री राजकुंवर बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री जी का जन्मदिन प्रत्येक बूथ पर बड़े हॉलोलस के साथ मनाना है तथा इस अवधि में होने वाले सभी कार्यक्रमों में प्रत्येक कार्यकर्ता की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करनी है। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता गिरिजा प्रसाद शर्मा महेंद्र सिंह राजपूत, सचिन शर्मा, सतीश जैन, परमानंद अहिंवार, पवन कुशवाहा, नितेश धाकड़ सहित मंडल के समस्त पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय बजरंगदल की प्रांत बैठक संपन्न, संगठन विस्तार को लेकर लिए गए महत्वपूर्ण संकल्प
समय जगत, सिलवानी। अंतर्राष्ट्रीय बजरंगदल की प्रांत बैठक प्रसिद्ध सोजनी धाम मंदिर में आयोजित की गई। बैठक में संगठन के विस्तारित जिलों रायसेन, सागर, भोजपुर एवं बरेली के प्रमुख दायित्वों की घोषणाएं की गई। बैठक में प्रांतीय विभागीय अधिकारियों में प्रांत मंत्री राजू भार्गव, प्रांत संयोजक संजय खरे, विभाग मंत्री अरविंद खरे तथा विभाग अध्यक्ष गोलू मालवीय विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक सीताराम नामजप एवं हनुमान चालीसा के पाठ से हुआ। इसके उपरान्त प्रांत एवं विभाग के पदाधिकारियों ने संगठन की कार्ययोजना और आगामी गतिविधियों को लेकर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। प्रांत संयोजक संजय खरे ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से सभी कार्यकर्ताओं को सामूहिक संकल्प दिलाया।

10वीं के शिक्षकों का अकादमिक प्रशिक्षण किया गया आयोजित

मंडला। स्कूल शिक्षा विभाग एवं समय शिक्षा अभियान (सेकेडरी एजुकेशन) के अंतर्गत कक्षा 10वीं के शिक्षकों के लिए आयोजित छह दिवसीय जिला स्तरीय विषयवार अकादमिक प्रशिक्षण बुधवार को सगुन हॉल मंडला में संपन्न हुआ।



प्रशिक्षण जिला शिक्षा अधिकारी/डीपीसी मुजी वरकड़े एवं एडीपीसी एल.एस. मसरम के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार, कक्षा अध्यापन के दौरान आने वाली व्यावहारिक समस्याओं के समाधान तथा शिक्षकों के अकादमिक स्तर को मजबूत करना रहा। अगस्त माह से प्रारंभ यह प्रशिक्षण आगामी छह माह तक सतत प्रक्रिया के रूप में संचालित किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान जिले के विषय विशेषज्ञों एवं मास्टर

ट्रेनर्स ने कठिन विषयों और जटिल अवधारणाओं को गतिविधि आधारित एवं सरल शिक्षण पद्धतियों से समझाने के तरीके बताए। वहीं आधुनिक तकनीक एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग पर भी विशेष जोर दिया गया। एपीसी मुकेश पाण्डेय ने विभागीय योजनाओं, शासकीय पोर्टल, परीक्षा प्रबंधन, उमंग, उज्ज्वल, एआई एवं अकादमिक विषयों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। छह दिवसीय प्रशिक्षण में हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी,

गणित, विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान विषयों के मास्टर ट्रेनर्स ने शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में जिले के शासकीय हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों के कक्षा 10वीं के शिक्षक, जनजातीय कार्य विभाग के शिक्षक तथा अतिथि शिक्षक सहित 1,260 शिक्षकों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण के प्रभाव एवं शिक्षकों की ज्ञान वृद्धि का आकलन करने के लिए शुरुआत में पूर्व-परीक्षण तथा समापन पर पश्च-परीक्षण आयोजित किया गया। प्रतिभागियों को प्रशिक्षण सामग्री, कार्यशील भोजन एवं अल्पाहार की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम के तकनीकी एवं मंच संचालन में सुमित कुशवाहा, अंकुश चौरसिया, इकबाल खान एवं कमलेश नंद का सराहनीय योगदान रहा।

संत रविदास महाराज की 650वीं जन्म जयंती पर आयोजित हुई भव्य कलश वंदन यात्रा

समय जगत, खाचरौद। संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज जी की 650वीं जन्म जयंती वर्ष के पावन अवसर पर सामाजिक समरसता मंच, नागदा ग्रामीण मंडल द्वारा आयोजित कलश वंदन यात्रा में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर विधिवत कलश पूजन कर समरसता संकल्प लिया गया। यात्रा का शुभारंभ अम्बेडकर नगर, वार्ड क्रमांक 5 से हुआ। कलश यात्रा पुराना थाना, लक्ष्मीनाथ चौक, चबूतरा चौराहा, अनंत नारायण मंदिर, गणेश देवली, निमाइवास, विक्रम मार्ग, मुकुंदपुरा होते हुए रविदास मंदिर, रतनाम रोड पहुंची, जहां यात्रा का समापन हुआ। यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं, युवा

एवं नगरवासी शामिल हुए। श्रद्धालु सिर पर कलश धारण कर तथा हाथों में भगवा ध्वज लेकर संत रविदास महाराज के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़े। मार्ग में जगह-जगह पुष्पवर्षा एवं स्वागत किया गया। पूरे यात्रा मार्ग में श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और भक्ति का वातावरण दिखाई दिया। इस पावन अवसर पर समरसता संकल्प अभियान के माध्यम से संत रविदास महाराज जी के सामाजिक एकता, समानता, समरसता एवं मानव कल्याण के प्रेरणादायी संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर समरसता सभा को विधायक डॉ तेजबहादुर सिंह चौहान, अजा मोर्चा प्रदेश महामंत्री गणपत डाबी, अजा मोर्चा प्रदेश



मंत्री संजय पिपरिया, यात्रा के जिला सहसंयोजक राजेश जटिया ने संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि संत रविदास

महाराज जी के विचार आज भी समाज को एकता, भाईचारे और समानता की प्रेरणा देते हैं। उनके संदेश को आत्मसात कर सामाजिक

समरसता को मजबूत करना हम सभी का दायित्व है। इस अवसर रमेश कलेसरिया, नरेंद्र चौहान, दसरथ, ईश्वर कटारिया, संत सदा जप महाराज, नितेश सजीतला, राजेश जटिया, राकेश राठौर, राजेंद्र गोहर, अर्जुन शर्मा, विनोद चतुर्वेदी, रामकिशन नागर, रेखा सेन, शांतिलाल चावला, जगदीश चौहान, राजू मकवाना, अमित सेठी, अखिलेश शर्मा, प्रवीण जायसवाल, प्रवीण नायक, बाबूलाल राठोड, नंदराम राठोड, प्रकाश राठोड, जितेंद्र राठोड, मांगीलाल नंदेड़ा, सुनील माहेश्वरी, संजय मेहता, रोहित राठोड आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अखिलेश शर्मा ने किया एवं आभार मंडल अध्यक्ष मनीषा अखिलेश शर्मा ने माना।

मनोज मालवे के जन्मदिन पर उमड़ा जनसैलाब

समय जगत, आमला। आमला-सारणी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी एवं मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रतिनिधि मनोज मालवे का जन्मदिन दादा दयालु लॉन परिसर में हॉप्लैंस के साथ मनाया गया।



दिग्गज नेताओं की रही मौजूदगी: कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री सुखदेव पासे एवं वर्तमान विधायक निलेश उडके मौजूद रहे। इसके अलावा क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, व्यापारी बंधु, महिलाएं एवं नन्हे-मुन्हे बच्चों ने बड़ी संख्या में शिरकत की। कार्यक्रम स्थल पर सैकड़ों लोगों की उपस्थिति से उत्सव जैसा माहौल बना रहा।

सामाजिक संगठनों ने किया जोरदार स्वागत:

जन्मदिन समारोह में महिला कांग्रेस, महिला पाषंद, अधिवक्ता संघ आमला, व्यापारी जन सेवा कल्याण समिति सहित अनेक सामाजिक संगठनों ने मालवे का फूल-मालाओं से स्वागत किया। यूट्यूबर ममता उडके, वासु भाई सहित अन्य

संगठनों ने भी बधाई दी। कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने केक काटकर मनोज मालवे को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की। पूरे परिसर में बधाईयां की गुंज रही और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

किया आभार व्यक्त : इस अवसर पर मनोज मालवे ने सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं, नागरिकों एवं व्यापारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता और कार्यकर्ताओं का यह स्नेह और विश्वास उनके लिए सदैव प्रेरणादायी रहेगा।

गुरुओं के सम्मान में भावुक हुआ लक्ष्य एकेडमी, विद्यार्थियों ने दी शानदार प्रस्तुतियां

नरसिंहगढ़, समय जगत। लक्ष्य एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल नरसिंहगढ़ में शिक्षक दिवस का पर्व बड़े उत्साह, उमंग एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपने गुरुजनों के प्रति सम्मान, प्रेम और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए विभिन्न सांस्कृतिक एवं मनोरंजक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने गुरु की महिमा पर आधारित भाषण, गीत, नृत्य एवं अन्य मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों के सम्मान में आयोजित विशेष गतिविधियों ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने कहा कि

शिक्षक दिवस पर गुरुजनों का हुआ सम्मान, सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां



गुरु केवल किताबों का ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि वह शिल्पकार है जो विद्यार्थी के व्यक्तित्व, संस्कार और भविष्य को आकार देता है। शिक्षक अपने ज्ञान और अनुभव से

विद्यार्थियों को सफलता की राह दिखाते हैं तथा उन्हें एक बेहतर इंसान बनने की प्रेरणा देते हैं। विद्यालय के प्राचार्य श्री गजेंद्र त्रिवाला ने शिक्षक दिवस की

शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षक समाज हैं और राष्ट्र निर्माण का आधारशिला हैं। एक सच्चा शिक्षक विद्यार्थी के जीवन में ज्ञान के साथ-साथ अनुशासन, संस्कार,

आत्मविश्वास और जिम्मेदारी की भावना विकसित करता है। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम की सराहना की। विद्यालय के चेयरमैन महेश कुमार ने

कहा कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी शिक्षा व्यवस्था और शिक्षकों की गुणवत्ता पर निर्भर करता है। उन्होंने सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में विद्यालय के विधिक सलाहकार सुरेश जांगड़े एडवोकेट, प्राचार्य गजेंद्र त्रिवाला, अकादमिक डीन रवि भारतीय, एक्टिविटी इंचार्ज दीपक वर्मा, अकाउंटेंट आजाद सिंह चंदावत, सुरेंद्र बंसीवाल, वर्षा मैम सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा। समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों को सम्मान एवं शुभकामनाएं देकर उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

पूरे विद्यालय परिसर में गुरु-शिष्य के प्रेम, सम्मान और आत्मीयता का सुंदर वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम का समापन सभी गुरुजनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए किया गया।

साइबर सेल ने 54 गुम-चोरी मोबाइल बरामद कीमत आठ लाख रुपए, मालिकों को दिए पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित प्रेसवार्ता में दी जानकारी

समय जगत, श्योपुर। श्योपुर पुलिस की सायबर सेल ने गुम और चोरी हुए 54 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इनकी अनुमानित कीमत करीब 8 लाख रुपए है। मंगलवार को पुलिस कंट्रोल रूम में एक कार्यक्रम के दौरान ये मोबाइल उनके असली मालिकों को सौंप दिए गए। पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देश पर सायबर सेल को गुम और चोरी हुए मोबाइल फोन ढूंढने के लिए विशेष प्रयास करने को कहा गया था। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार भूरिया और डीएसपी मुख्यालय प्रेमनारायण गोयल के मार्गदर्शन में सायबर सेल ने जिले के सभी थानों से मिलकर मोबाइलों की तलाश शुरू की। पुलिस ने बताया कि मोबाइल फोन की लोकेशन और तकनीकी जानकारी जुटाने के लिए सीईआईआर पोर्टल और दूसरे तकनीकी तरीकों का इस्तेमाल किया गया।



इसके लिए दूसरे राज्यों और जिलों की पुलिस टीमों से भी संपर्क किया गया। लगातार कोशिशों के बाद कुल 54 मोबाइल फोन बरामद हुए। 8 सितंबर को पुलिस कंट्रोल रूम में हुए कार्यक्रम में बाबूलाल मीणा, सिकंदर मीणा, विकास बैरवा, विष्णु कुमार नागर, धीरा सिंह, राम नरेश सुमन, राजेन्द्र आर्य, विक्की बाथम,

कान्हाजी कुशवाहा, राम सिंह, गिर्राज बैरवा, बुजेश दीक्षित, विमल कबोज, आकाश सुमन, सत्यनारायण बैरवा, लेखराज बैरवा और दिनेश सुमन समेत कुल 54 लोगों को उनके मोबाइल फोन सौंपे गए। मोबाइल वापस मिलने पर लोगों ने पुलिस के काम की तारीफ की। पुलिस ने यह भी बताया कि सायबर सेल को मिले

दूसरे आवेदनों पर भी कार्रवाई चल रही है। गुम हुए बाकी मोबाइलों की तलाश के लिए लगातार कोशिशों की जा रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि मोबाइल गुम होने पर तुरंत नजदीकी थाने में आवेदन दें। मोबाइल का बिल या बॉक्स, जिस पर आईएमईआई नंबर साफ लिखा हो, और आधार कार्ड देकर सीईआईआर पोर्टल पर मोबाइल की जानकारी अपलोड करवाएं।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

गुम मोबाइलों को ढूंढने में सायबर सेल प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक संजय यादव, महिला आरक्षक प्रियल पाठक, बेता शर्मा, आरक्षक धर्मेन्द्र गुर्जर की अहम भूमिका रही। साथ ही इकाई श्योपुर के समस्त थानों में सीईआईआर पोर्टल पर कार्य करने वाले आरक्षकों का विशेष सहयोग रहा।

संत रविदास जयंती पर बनवार में आयोजित हुई कलश वंदन यात्रा राज्यमंत्री श्री लोधी ने किया कलश स्थापना एवं माल्यार्पण समरसता संकल्प अभियान के तहत जबरा के 15 गांवों में पहुंची यात्रा

दमोह, समय जगत। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर समरसता संकल्प अभियान के तहत ग्राम बनवार में कलश वंदन यात्रा का आयोजन किया गया। संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने यात्रा में सहभागिता करते हुए संत रविदास मंदिर में पवित्र कलश की स्थापना की। उन्होंने संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। राज्यमंत्री श्री लोधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में संत रविदास महाराज की गौरवगाथा जन.जन तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। इसी उद्देश्य से संत रविदास जी की जन्मस्थली काशी से लाई गई पवित्र मिट्टी को विधानसभा सहित प्रदेश के विभिन्न मंदिरों में कलश के रूप में स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने कहा संत रविदास महाराज के जीवनपरिचय और सामाजिक समरसता के संदेश को घर-घर, गांव-गांव और नागर-नागर तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह यात्रा निकाली



जा रही है। विधानसभा जबरा में जहां-जहां संत रविदास के मंदिर हैं, वहां उनकी जन्मभूमि की पवित्र मिट्टी पहुंचाकर कलश स्थापना की जाएगी। श्रद्धालु इस पवित्र मिट्टी का पूजन एवं वंदन कर स्वयं को धन्य महसूस करेंगे। श्री लोधी ने कहा विधानसभा जबरा में कुल 15 गांवों को चिन्हित किया गया है, जहां संत रविदास जी के मंदिर स्थित हैं। इन सभी स्थानों को यात्रा के माध्यम से जोड़ा जाएगा और जन्मभूमि की पवित्र मिट्टी मंदिरों तक पहुंचाई जाएगी। उन्होंने कहा कलश वंदन

यात्रा का शुभारंभ 7 सितंबर से हुआ है जो 11 सितंबर तक चलेगी। प्रथम दिवस विधानसभा जबरा के ग्राम घंटेरा, बनवार, लरगुवा, परस्वाहा, खमरिया, पटना मानगढ़, रौड़, मझगुवा मानगढ़, बन्हेरी, सिमरी, चौपरा, घाना, कलेहरा एवं जबरा सहित निर्धारित ग्रामों में यात्रा निकली। अभियान का उद्देश्य संत रविदास महाराज के समतामूलक विचारों पर सामाजिक एकता और समरसता के संदेश को व्यापक स्तर पर जन.जन तक पहुंचाना है।

संक्षिप्त समाचार राशन वितरण में लापरवाही पर की गई सख्त कार्रवाई

समय जगत, सिरोंज। राशन वितरण में गड़बड़ी और लापरवाही बरतने वाले विक्रेताओं के खिलाफ एसडीएम सिरोंज के आदेश पर खाद्य विभाग ने त्वरित कार्रवाई की है। सहायक आपूर्ति अधिकारी प्रकाश सिंह यादव ने क्षेत्र का दौरा कर अनियमितता मिलने पर दो विक्रेताओं को वसूली का नोटिस जारी किया है तथा दो विक्रेताओं को पद से हटा दिया है। जगथर दुकान-निरीक्षण के दौरान भौतिक सत्यापन में स्टॉक का मिलान न होने और अंतर पाए जाने पर संबंधित विक्रेता को 77,117 रुपये की वसूली का नोटिस थमाया गया है। रिनिया दुकान-स्टॉक में गड़बड़ी पाए जाने पर यहां के विक्रेता को भी 68,442 रुपये की वसूली का नोटिस जारी किया गया है। झंडवा एवं करैया हाट राशन दुकान संचालन में लापरवाही और लापरवाही बरतने के चलते झंडवा और करैया हाट दुकानों के विक्रेताओं को तत्काल प्रभाव से विक्रेता पद से पृथक कर दिया गया है। खाद्य विभाग के अधिकारियों द्वारा क्षेत्र में लगातार नियमित भ्रमण किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि राशन वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दीर्घायों के विरुद्ध आगे भी इसी तरह सख्त कानूनी व प्रशासनिक कार्रवाई जारी रहेगी।

भोपाल से आरोन प्रवास के दौरान पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह का देवपुर में भव्य स्वागत



सिरोंज। भोपाल से आरोन जाते समय रायौगढ़ विधायक एवं पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह का ग्राम देवपुर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर देवपुर में कांग्रेस परिवार के साथियों ने गर्मजोशी से उनका अभिनंदन किया। स्वागत करने वालों में पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह राजपूत, शहर अध्यक्ष सैफ गौरी, देवपुर ब्लॉक अध्यक्ष अर्जुन राजपूत, अरविंद नगीना, अनिरुद्ध यादव, बिट्टू कुरेशी, हरनाम सिंह वकील राजपूत, कलेक्टर सिंह, केशव राजपूत, मयंक गोस्वामी एवं संतोष गिर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित रहे। सभी कार्यकर्ताओं ने पुष्पमालाएं पहनाकर और आतिथ्य सत्कार के साथ पूर्व मंत्री जी की अगुवानी की। इस दौरान जयवर्धन सिंह जी ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए एकजुटता के साथ क्षेत्र के विकास और संगठन को मजबूत करने का संदेश दिया।

समय जगत, कटनी। शहर के कोतवाली थाना अंतर्गत सालीमार मार्केट स्थित शंकर टॉकीज के पास उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब फुल्की खा रहे एक युवक पर अज्ञात बदमाशों ने अचानक चाकू से हमला कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, हमलावरी ने अचानक हमला कर दिया, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल निर्मित हो गया। वारदात में घायल युवक की पहचान आधार काप निवासी आकाश निषाद के रूप में हुई है। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से लावार को उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है ताकि हमलावरों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जा सके।

पुलिस ने जानलेवा हमला मामले में दर्ज किया मुकदमा

समय जगत, कटनी। शहर के कोतवाली थाना अंतर्गत सालीमार मार्केट स्थित शंकर टॉकीज के पास उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब फुल्की खा रहे एक युवक पर अज्ञात बदमाशों ने अचानक चाकू से हमला कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, हमलावरी ने अचानक हमला कर दिया, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल निर्मित हो गया। वारदात में घायल युवक की पहचान आधार काप निवासी आकाश निषाद के रूप में हुई है। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से लावार को उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है ताकि हमलावरों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जा सके।

सेमल्दा, चकबमुलिया, ढोढर, अरौंदरी में चला मलेरिया जागरूकता अभियान



समय जगत, श्योपुर। जिले में मलेरिया एवं डेंगू सहित अन्य वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम के लिए निरंतर नियंत्रण एवं जन-जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में ग्राम सेमल्दा, चकबमुलिया एवं ढोढर में मलेरिया नियंत्रण गतिविधियों का निरीक्षण एवं समीक्षा की गई।

एम.टी.एस. श्री अरविन्द द्वारा सी.एच.ओ., ए.एन.एम. एवं आशा कार्यकर्ताओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर नियमित लावां सर्वे, बुखार रोगियों की पहचान, जांच एवं जल-जागरूकता गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए गए। उप स्वास्थ्य केंद्र सेमल्दा में आशा कार्यकर्ताओं की बैठक

लेकर ग्रामीणों को मलेरिया से बचाव के उपायों की जानकारी देने हेतु प्रेरित किया गया। विकासखंड विजयपुर के ग्राम अरौंदरी में आशा कार्यकर्ताओं द्वारा व्यापक लावां सर्वे एवं नष्टीकरण अभियान चलाया गया। इस दौरान कुलर, गमले, घुराने टायर, पानी की टंकियों एवं खुले बर्तनों में जमा पानी की जांच की गई तथा लावां पाए जाने वाले स्थानों पर नष्टीकरण की कार्रवाई करते हुए एंटी-लावां बी.टी.आई. दवा का घोल डाला गया। ग्रामीणों को घर एवं आसपास पानी जमा न होने देने, पानी की टंकियों एवं कुलर की नियमित सफाई करने तथा सप्ताह में कम से कम एक बार कुलर एवं पानी के बर्तनों को खाली कर सुखाने की सलाह दी गई। साथ ही सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करने तथा बुखार आने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में रक्त की जांच कराने के लिए जागरूक किया गया।

जन्माष्टमी एवं शिक्षक दिवस पर आचार्य सम्मान समारोह आयोजित

श्योपुर। सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, श्योपुर में जन्माष्टमी एवं शिक्षक दिवस के अवसर पर आचार्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पूजन के साथ हुआ। अतिथियों ने जन्माष्टमी और शिक्षक दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए शिक्षा के साथ विद्यार्थियों में संस्कार निर्माण में शिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला प्रतिनिधि अशोक माधवानी ने की। समिति सदस्य सुरेश अग्रवाल, कमल सिंह गौतम एवं चन्द्रहास दीक्षित सहित विद्यालय के आचार्य, दीदी, भैया-बहिन और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर समिति परिवार की ओर से विद्यालय के सभी आचार्यों का सम्मान किया गया।

शिक्षक दिवस पर पंजाबी महिला विकास समिति ने किया शिक्षकों का सम्मान

दमोह, समय जगत। पंजाबी महिला विकास समिति दमोह द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर शहर के जाने माने एवं उत्कृष्ट शिक्षकों के सम्मान में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षकों के अमूल्य योगदान को सम्मानित करना एवं उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना रहा। इस अवसर पर समिति द्वारा इको फ्रेंडली गणेश प्रतिमाओं के निर्माण की पहल करते हुए गणेश उत्सव का एक शुभ संदेश भी दिया गया साथ ही समिति की सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए मिट्टी से गणेश प्रतिमाओं के निर्माण की दिशा में सराहनीय प्रयास किया। कार्यक्रम में पूनम खन्ना एवं प्रीति सलूजा द्वारा गणमन शिक्षकों का सम्मान किया गया वहीं अनिता वाधवा रूबी खन्ना एवं पूनम ग्रोवर



के मार्गदर्शन में मिट्टी से गणेश प्रतिमाओं के निर्माण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समिति की चेयरपर्सन डॉक्टर रितु दुआ अध्यक्ष सोनिया अरोड़ा सेक्रेटरी शुची अरोड़ा के साथ ही अन्य सदस्य मनमोत अजमानी, नीतू गांधी, मोनी गांधी, काजल

जुनेजा श्वेता सरीन, शिल्पा, मंजू मोनिया सहित समिति के अन्य सदस्यों की भी उपस्थित रही। कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षकों के प्रति सम्मान प्रकट करने के साथ साथ पर्यावरण संरक्षण और इको फ्रेंडली गणेश उत्सव का महत्वपूर्ण संदेश दिया गया।

मेडिकल कालेज में कैसर डे-केयर कीमोथेरेपी यूनिट का शुभारंभ

विदिशा, समय जगत। अटल बिहारी मेडिकल एवं चिकित्सालय में कैसर डे-केयर कीमोथेरेपी यूनिट का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर केंद्रीय राज्य मंत्री डॉक्टर जितेंद्र सिंह, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रभारी मंत्री लखन पटेल सहित टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल के संचालक एवं भोपाल एम्स हॉस्पिटल के संचालक शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री डॉक्टर जितेंद्र सिंह ने कहा कि विदिशा में कैसर हॉस्पिटल का निर्माण किया जाएगा और जिसमें सभी प्रकार की सुविधा कैसर मरीजों के लिए उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में रेडियोलॉजिस्ट के माध्यम से मरीजों का इलाज किया जाएगा, जिसकी व्यवस्था मेडिकल कालेज को जल्द उपलब्ध कराई जाएगी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मेडिकल कालेज में कैसर यूनिट के प्रारंभ होने से आसपास



के सभी जिले के लोगों के लिए लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि भोपाल एम्स और विदिशा मेडिकल कॉलेज का एमयू हस्ताक्षर कराया गया है और आने वाले दिनों में अब एम्स के डॉक्टर भी मेडिकल कालेज के डॉक्टरों को प्रशिक्षण देंगे। मंगलवार का दिन विदिशा के लिए एक खास अहमियत लेकर आया। जिला मुख्यालय स्थित अटल बिहारी मेडिकल कालेज एवं चिकित्सालय में केंद्रीय मंत्री शिवराज

सिंह चौहान की पहल पर कैसर डे-केयर कीमोथेरेपी यूनिट का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि विदिशा में पिछले दिनों हुए कैसर जांच प्रशिक्षण में 3000 लोगों की जांच की गई थी, जिसमें से करीब 600 मरिज कैसर बीमारी से युक्त पाए गए थे। यह चिंता का विषय है कि करीब 20 फीसदी लोग कैसर की बीमारी से युक्त पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमें आने वाले पीढ़ी

प्रधानमंत्री आवास, श्मशान के लिये भूमि सहित अन्य मांगों को लेकर दिया ज्ञापन

विदिशा, समय जगत। सिरोंज तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम हरगनाखेड़ी टपरा ग्रामीण बड़ी संख्या में मंगलवार को कलेक्टर पहुंचे और कलेक्टर के नाम आवेदन दिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि गांव के लोगों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना की पहली किश्त जारी हो चुकी थी लेकिन इसके बाद आगे की किस्त पर जारी नहीं की गई है, जिसके कारण से कई वर्षों से लोग अपनी किस्त आने का इंतजार कर रहे हैं जिसके चलते प्रधानमंत्री आवास अथुर्थे पड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र होकर कुटीरों का आधा निर्माण भी कर चुके हैं किन्तु स्वीकृत राशि का हस्तांतरण नहीं किया जा रहा है। जिसके चलते हिराग्रहियों को खासी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि ग्राम में श्मशान घाट के लिये कोई भूमि चिन्हित नहीं की गई है, जिसके चलते ग्राम में कोई श्मशान नहीं है एवं शवदाह



करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम टपरा से हरगनाखेड़ी जो कि लगभग 2 किलोमीटर दूर स्थित है जहां प्राथमिक विद्यालय है एवं उक्त विद्यालय तक आने जाने के लिये कोई रास्ता न होने के कारण छोटे-छोटे बच्चों को खेत की मेड़ों और कीचड़ में से होकर आवागमन करना पड़ता है। जिसके चलते बच्चों की शिक्षा बाधित हो रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व में वर्ष 2018 से लगातार तहसीलदार मोहदय सिरोंज, अनुविभागीय अधिकारी सिरोंज व कलेक्टर कार्यालय में भी

आवेदन देकर देकर अवगत कराया जा चुका है किन्तु अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन से लेकर विधायक तक को आवेदन देकर समस्या का निराकरण करने की मांग कर चुके हैं लेकिन इसके बावजूद भी उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि हम काफी परेशान हैं और हमारी समस्या की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। हम आवेदन देने जाते हैं तो अधिकारियों द्वारा हमें कार्यालय से भगा दिया जाता है अब हम लोग अपनी समस्या लेकर जाएं।

बंड़ा की घटना के बाद कटनी में भी शराब दुकानों की चेकिंग आबकारी अमला दुकानों पर पहुंचा, अलग-अलग ब्रांड के सैंपल लिए, गुणवत्ता की होगी परख

समय जगत, कटनी। सागर जिले के बंड़ा में जहरीली शराब की घटना के बाद कटनी में भी आबकारी विभाग ने शराब की गुणवत्ता को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर जिले की शासकीय मदिरा दुकानों की सघन जांच शुरू की गई है। विभागीय अमला दुकानों पर पहुंचकर अलग-अलग ब्रांड की शराब के नमूने ले रहा है, जिन्हें परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। जिला आबकारी अधिकारी विभा मरकाट के मुताबिक पिछले दो दिनों से लगातार दुकानों का निरीक्षण कर सैंपलिंग की जा रही है। रविवार और अककाश के दिन भी कार्रवाई जारी रही। विभाग का कहना है कि शराब की गुणवत्ता के साथ उसकी बिक्री व्यवस्था पर भी निगरानी रखी जा रही है और जांच आगे भी जारी रहेगी।



नियामक कंपनी, बिक्री जिले और निर्माण तिथि सहित अन्य जानकारी की पुष्टि की जा सकती है। विभाग ने लोगों से केवल शासकीय दुकानों से ही शराब खरीदने की कहा है। गंध, रंग या स्वाद बदला तो न करें सेवन : विभाग ने स्पष्ट किया है कि शराब के स्वाद, गंध या रंग में असाधार्य बदलाव नजर आए अथवा मिलावट का संदेह हो तो उसका सेवन नहीं किया जाए। ऐसी स्थिति में तत्काल आबकारी विभाग को सूचना देने की अपील की गई है। शिकायत के लिए जिला आबकारी कार्यालय के फोन नंबर 07622-231217 पर संपर्क किया जा सकता है।

कराहल घाटी में बालाजी यात्रा कंपनी की बस पलटी, पांच घायल स्टीयरिंग फेल होने से हादसा होने की आशंका, श्योपुर से ग्वालियर जा रही थी बस

समय जगत, श्योपुर। श्योपुर से ग्वालियर जा रही बालाजी यात्रा कंपनी की बस कराहल घाटी में अचानक पलट गई। हादसे में बस में सवार पांच यात्री घायल हो गए। बताया जा रहा है कि बस का स्टीयरिंग फेल होने के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और बस घाटी में पलट गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने घायलों को बस से बाहर निकालकर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी जुटाई। घायलों में गोपाल गुर्जर निवासी मोरवन, बलदेव सिंह निवासी सेसईपुरा, लोहरे आदिवासी निवासी श्यामपुर, गीता कुशवाहा निवासी गुरीचा और गुड्डा कुशवाहा निवासी गुरीचा के नाम बताए गए हैं।



वहीं मोतीलाल कुशवाहा निवासी गुरीचा और सरोज अरोरा का भी बस में सवार होना बताया गया है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने घायलों को बस से बाहर निकालकर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की

जानकारी जुटाई। घायलों में गोपाल गुर्जर निवासी मोरवन, बलदेव सिंह निवासी सेसईपुरा, लोहरे आदिवासी निवासी श्यामपुर, गीता कुशवाहा निवासी गुरीचा और गुड्डा कुशवाहा निवासी गुरीचा के नाम बताए गए हैं। वहीं मोतीलाल कुशवाहा निवासी गुरीचा और सरोज अरोरा का भी बस में सवार होना बताया गया है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

इंटर्न्स, जूडा को अब मिलेगा 21,500 रुपए स्टाइपेंड, डिप्टी सीएम के ऐलान के साथ आंदोलन हुआ खत्म



समय जगत, भोपाल। मध्य प्रदेश के डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि इंटर्न्स, जूडा और एमटीए प्रतिनिधिमंडल के साथ मीटिंग हुई। इंटर्न् डॉक्टर्स की मांगें मान ली गई हैं। अब 21,500 रुपए स्टाइपेंड



मिलेगा। छात्रों पर लाठीचार्ज और वाटर पुलिसकर्मियों को लाइन अटैच किया केनन के इस्तेमाल के मामले में 2 गया है। स्वास्थ्य मंत्री शुक्ल ने कहा-

जांच के लिए टीम गठित की गई है। घायल छात्रों के इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। शुक्ल ने कहा- इंटर्न् डॉक्टर्स हमारे फैसले से खुश हैं। सरकार ने 50 प्रतिशत स्टाइपेंड बढ़ाया है। मंत्री शुक्ल ने कहा- हमारे देश की डॉक्टर सबसे बड़ी ताकत हैं। आप हमेशा मुस्कुराकर अपना काम करते रहिए। सरकार आपके साथ है और आपकी सभी मांगों को ध्यान में रखकर पूरा कर रही है। विदेश में होते हुए सीएम डॉ. मोहन यादव ने आपके हित में फैसला सुनाया। स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को

लेकर इंटर्न् डॉक्टर 3 दिन से आंदोलन कर रहे थे। भोपाल में कमला पार्क के पास बड़ा प्रदर्शन चल रहा था। इसका असर प्रदेशभर के सरकारी अस्पतालों की ओपीडी सेवाओं पर पड़ा। तीसरे दिन डॉक्टर्स ने आंदोलन खत्म करने का ऐलान किया। भोपाल के हमीदिया अस्पताल में बुधवार दोपहर 12 बजे तक ओपीडी बंद रही। सीनियर डॉक्टरों ने मरीजों को देखा। किडनी और लिवर के मरीज परेशान होते दिखे। हमीदिया अस्पताल में बुधवार को सिर्फ 2 ऑपरेशन हुए, जबकि सामान्य दिनों में 40 से ज्यादा ऑपरेशन होते हैं।

सार-समाचार

वरिष्ठ व्यापारी एवं जैन समाज के अध्यक्ष टेकचंद जैन का निधन, नगर में शोक



समय जगत, गैरतगंज। नगर के वरिष्ठ व्यापारी एवं सकल दिगंबर जैन समाज, गैरतगंज के अध्यक्ष टेकचंद जैन का अरवस्थता के बाद हैदराबाद के अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। उनके निधन का समाचार मिलते ही सकल दिगंबर जैन समाज सहित नगर में शोक की लहर व्याप्त हो गई। टेकचंद जैन सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों में निरंतर सक्रिय रहते थे। जैन समाज के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने समाजहित में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके निधन से समाज ने एक वरिष्ठ मार्गदर्शक एवं सामाजिक कार्यकर्ता को खो दिया। वे व्यापारी राजकुमार जैन के भाई, पंकज जैन एवं नीरज जैन के पिता तथा राहुल जैन के बड़े पिता थे। उनके निधन पर समाजजनों, व्यापारियों एवं नगरवासियों ने शोक व्यक्त करते हुए परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। बुधवार, 9 सितंबर को शाम 5 बजे उनके निज निवास से अंतिम यात्रा टोकापार मुक्तिधाम के लिए निकाली गई। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में नगरवासी, समाजजन एवं परिचित शामिल हुए और मुक्तिधाम पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

स्कूलों के विद्युतीकरण को मिली रपतार, 1,763

स्कूलों में बिजली कनेक्शन का कार्य पूरा

समय जगत, जबलपुर। विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के विद्युतीकरण का कार्य प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है। कंपनी के अंतर्गत 24 जिलों के विभिन्न क्षेत्रों में ऐसे विद्यालयों को चिन्हित कर विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराने की कार्यवाही जारी है, जहां अब तक विद्युत सुविधा उपलब्ध नहीं थी। 131 अगस्त 2026 तक की स्थिति के अनुसार राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा चिन्हित 2,752 गैर-विद्युतीकृत विद्यालयों का सर्वेक्षण कंपनी द्वारा पूर्ण किया जा चुका है। सर्वेक्षण में 394 विद्यालयों में पहले से विद्युत कनेक्शन पाए गए, जबकि कुछ विद्यालयों में भवन उपलब्ध नहीं होने अथवा अन्य कारणों से तत्काल कनेक्शन संभव नहीं है। शेष 2,254 विद्यालयों में विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराने की कार्ययोजना तैयार की गई है। इनमें 814 विद्यालय ऐसे हैं, जहां बिना किसी अतिरिक्त विस्तार कार्य के सीधे विद्युत कनेक्शन प्रदान किए जा सकते हैं, जबकि 1,440 विद्यालयों में विद्युत लाइन/नेटवर्क विस्तार की आवश्यकता चिन्हित की गई है। कंपनी द्वारा इन दोनों श्रेणियों में कार्य को गति देते हुए अब तक कुल 1,763 विद्यालयों में विद्युत कनेक्शन का कार्य पूर्ण कर दिया गया है। इनमें बिना विस्तार कार्य वाले 814 विद्यालय तथा विस्तार कार्य पूर्ण कर 949 विद्यालयों को विद्युत सेवा से जोड़ा जा चुका है। इस प्रकार लक्षित 2,254 विद्यालयों में से लगभग 78 प्रतिशत विद्यालयों का विद्युतीकरण पूरा हो चुका है। शेष 491 विद्यालयों में भी आवश्यक कार्यवाही प्रगतिरत है। इसके साथ ही पूर्ण किए गए 1,763 कनेक्शन कार्यों में से 1,667 IVR जनरेट किए जा चुके हैं। कंपनी द्वारा विद्यालयों के विद्युतीकरण को केवल कनेक्शन प्रदान करने तक सीमित न रखते हुए आवश्यक नेटवर्क विस्तार कार्यों को भी प्राथमिकता दी जा रही है। इससे ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यालयों में बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित होने के साथ विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। शेष विद्यालयों को भी चरणबद्ध तरीके से विद्युत सुविधा से जोड़ने की दिशा में कार्य तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

श्रम प्रहरी बनकर श्रमिक सुरक्षा और अधिकारों के संरक्षण में निगाए भागीदारी : मंत्री श्री पटेल



समय जगत, भोपाल। श्रम और पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि श्रम प्रहरी एक महत्वपूर्ण सामाजिक उत्तरदायित्व है। अवसर अपेक्षित इकाइयों में श्रम नियमों और सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण श्रमिकों के शोषण अथवा दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में यदि जागरूक नागरिक अपने आसपास संचालित ऐसी अनधिकृत गतिविधियों की जानकारी शासन तक पहुंचाते हैं, तो इससे श्रम कानूनों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित होगा और कार्यस्थलों को श्रमिकों के लिए सुरक्षित बनाया जा सकेगा। प्रदेश के नागरिकों से श्रम प्रहरी के रूप में आगे आकर श्रमिकों की सुरक्षा और उनके अधिकारों के संरक्षण में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की है। इस विशेष पहल का मुख्य उद्देश्य राज्य में बिना पंजीजन के संचालित हो रहे कारखानों, व्यावसायिक संस्थानों और निर्माण कार्यों की पहचान कर श्रमिकों के वैधानिक अधिकारों तथा कार्यस्थल पर उनकी सुरक्षा को सुदृढ़ बनाना है।

फसल गिरदावरी में पटवारी स्तर से जियो टैग से मुक्ति की मांग

पटवारियों ने सौंपा ज्ञापन, लंबित मांगों

के निराकरण की उठाई आवाज

समय जगत, हरदा। मध्यप्रदेश पटवारी संघ की लंबित मांगों और विभिन्न विभागीय समस्याओं के निराकरण को लेकर हरदा जिले के पटवारियों ने प्रांतीय उपाध्यक्ष राजीव जैन एवं जिलाध्यक्ष विकास जोशी के नेतृत्व में डिप्टी कलेक्टर आशाराम चिरामन को ज्ञापन सौंपा। पटवारियों ने शासन द्वारा पूर्व में दिए गए आश्वासनों के बावजूद मांगों का निराकरण नहीं होने पर नाराजगी जताते हुए शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई की मांग की। पटवारी संघ द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि विगत आंदोलन स्थगित किए जाने के पूर्व पीआरसी भवन, भोपाल में हुई बैठक में प्रदेश के जिलाध्यक्षों एवं प्रदेश पदाधिकारियों के समक्ष शासन की ओर से कैडर रिव्यू कमेटी के गठन, पटवारी संघ के पदाधिकारियों के अनुचित स्थानांतरण निरस्त करने संबंधी आदेश जारी करने का आश्वासन दिया गया था। इसके साथ ही फसल गिरदावरी सहित पटवारियों से जुड़ी अन्य समस्याओं के शीघ्र निराकरण का भरोसा भी दिलाया गया था। संघ के अनुसार, मुख्यमंत्री एवं संबंधित अधिकारियों से चर्चा तथा शासन की ओर से मिले आश्वासन के बाद किसान हित और समन्वित अभियान को ध्यान में रखते हुए पटवारियों ने अपनी हड़ताल आगामी तीन माह के लिए स्थगित कर दी थी। हालांकि, निर्धारित अवधि



में मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होने से प्रदेशभर के पटवारियों में निराशा और आक्रोश की स्थिति बनी हुई है। ज्ञापन में वर्तमान में सामने आ रही फार्मर आईडी से जुड़ी समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया गया। संघ का कहना है कि फार्मर आईडी के कार्य में गलत खसरे हटाने, सॉफ्टवेयर की तकनीकी खामियों, सर्वे के सुचारु रूप से काम नहीं करने सहित कई व्यवहारिक परेशानियां सामने आ रही हैं। इन समस्याओं का राज्य स्तर पर समुचित समाधान नहीं होने के बावजूद विभिन्न जिलों में पटवारियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जा रही है। पटवारी संघ ने ऐसी कार्रवाई को अनुचित बताते हुए कहा कि तकनीकी समस्या का समाधान मैदानी स्तर पर काम करने वाले पटवारियों को भुगतना पड़ रहा है। संघ ने मांग की

है कि पहले तकनीकी एवं व्यवहारिक समस्याओं का स्थायी समाधान किया जाए और उसके बाद ही कार्य की जवाबदेही तय की जाए। ज्ञापन में खरीफ फसल गिरदावरी का मुद्दा भी उठाया गया। संघ ने बताया कि वर्तमान में फसल गिरदावरी का कार्य लोकल यूथ के माध्यम से कराया जा रहा है, लेकिन कई ग्रामों में लोकल यूथ द्वारा गिरदावरी नहीं किए जाने अथवा उनकी नियुक्ति नहीं होने के कारण यह जिम्मेदारी पटवारियों पर आ रही है। पटवारी संघ ने मांग की कि यदि पटवारी

स्तर पर फसल गिरदावरी का कार्य कराया जाता है तो उसमें जियो टैग की अनिवार्यता हटाई जाए, क्योंकि इस संबंध में तकनीकी एवं मैदानी स्तर पर कई कठिनाइयां सामने आ रही हैं। संघ के अनुसार, इस मांग को लेकर पूर्व में भी कई बार पत्राचार किया जा चुका है और भोपाल में हुई बैठक में भी इस पर सहमति व्यक्त की गई थी, लेकिन अब तक समस्या का उचित समाधान नहीं हुआ है। ज्ञापन के माध्यम से संघ ने शासन से पटवारियों की हड़ताल अवधि के वेतन का भुगतान, कैडर रिव्यू कमेटी के गठन का आदेश, पदाधिकारियों के नीति विरुद्ध स्थानांतरण निरस्त करने, फार्मर आईडी की तकनीकी समस्याओं का निराकरण तथा पटवारी स्तर की फसल गिरदावरी से जियो टैग हटाने की मांग की।

जर्जर रंगमंच बना मासूम बच्चों के लिए खतरा

तीन-चार साल से डिस्मेंटल की मांग, अब तक नहीं हुई कार्रवाई



मण्डला, समय जगत। विकासखंड मोहगांव अंतर्गत ग्राम पंचायत कोआ डोगरी में संचालित एकिकृत हाई स्कूल के माध्यमिक शाला परिसर में वर्षों पुराना पंचायत का रंगमंच जर्जर अवस्था में खड़ा है। परिसर में प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला के साथ आंगनवाड़ी केन्द्र भी संचालित होने के कारण जर्जर भवन से बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है। बताया गया कि यह रंगमंच काफी पुराना है तथा बिना बीम-कॉलम के निर्मित होने के साथ इसकी छत भी क्षतिग्रस्त होकर झुक गई है। भवन की स्थिति इतनी खराब है कि कभी भी इसका कोई हिस्सा गिर सकता है। ऐसे में स्कूल

परिसर में अध्ययनरत मासूम बच्चों के साथ हादसे की आशंका बनी हुई है। शाला प्रबंधन द्वारा अनुपयोगी एवं जर्जर भवन को डिस्मेंटल करने के लिए ग्राम पंचायत कोआ डोगरी एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी मोहगांव को कई बार पत्र लिखकर मांग की जा चुकी है।

बावजूद इसके तीन-चार वर्ष बीतने के बाद भी भवन को हटाने की कार्रवाई नहीं की गई है। अभिभावकों एवं शाला प्रबंधन ने संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि किसी संभावित दुर्घटना से पहले जर्जर रंगमंच को निरीक्षण कर तत्काल डिस्मेंटल कराया जाए।

इनका कहना है

जर्जर एवं अनुपयोगी रंगमंच भवन को हटाने के लिए शाला प्रबंधन द्वारा ग्राम पंचायत एवं विकासखंड के वरिष्ठ अधिकारियों को लगातार पत्र और मौखिक रूप से अवगत कराया जा रहा है, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं हुई है। भवन के कारण परिसर में बच्चों की सुरक्षा को खतरा बना हुआ है। इसे जल्द डिस्मेंटल कराया जाना आवश्यक है। धीरेन्द्र कुमार पाण्डेय, प्रभारी प्राचार्य, शासकीय हाईस्कूल कोआ डोगरी, मोहगांव

मामला संज्ञान में आते ही ग्राम पंचायत को जर्जर भवन के डिस्मेंटल संबंधी प्रस्ताव तैयार कर भेजने के निर्देश दिए गए हैं। प्रस्ताव प्राप्त होते ही जल्द अग्रिम कार्रवाई कर भवन को हटाय जाएगा, ताकि विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। शिवकुमार मिश्रा अड्डु भैया, उपाध्यक्ष एवं अध्यक्ष, शिक्षा समिति जनपद पंचायत मोहगांव

पुलिस कमिश्नर द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले

20 पुलिसकर्मियों को किया गया सम्मानित

प्रशस्ति पत्र व नगद पुरस्कार देकर नवाजा



समय जगत, इंदौर। पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने उत्कृष्ट कार्य करने पर 20 पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र व नगद पुरस्कार से सम्मानित किया। पुलिस आयुक्त कार्यालय के प्रभार अजय सिंह सेगर को मीडिया से बेहतर संचाद और प्रचार-प्रसार, यातायात के रक्षित निरीक्षक राजू सांवले को मॉडिफाइड साइलेंसर

पर कार्रवाई, आरक्षक अशोष मिश्रा को सोशल मीडिया पर पुलिस कार्यों के प्रचार, अविनाश दुबे को NCRP पोर्टल पर बेहतर कार्य सहित एरोडम, सदर बाजार, अपराध शाखा, यातायात, डीसीपी जोन-02, जोन-04, समन्वय व CEIR पोर्टल से जुड़े पुलिसकर्मों शामिल हैं।

इंदौर अतिक्रमण हटाने गए एडिशनल डीसीपी

को धक्का, जमीन पर गिरे, 6 हिरासत में



समय जगत, इंदौर। साउथ तोड़ में बुधवार को अतिक्रमण हटाने के दौरान हंगामा हो गया। भीड़ को हटाने समय एक युवक ने एडिशनल डीसीपी दिशेष अग्रवाल को

जेसीबी और 80 से अधिक पुलिस जवान तैनात थे। अधिकारियों ने बताया कि सड़क चौड़ीकरण के लिए नोटिस देकर अतिक्रमण हटया गया है।

समय जगत, गैरतगंज। तहसील के कस्बा गढ़ी में 9 सितंबर को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गढ़ी में विद्यालय प्रबंधन समिति के गठन एवं निर्वाचन प्रक्रिया को लेकर बुधवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक में संस्था के प्राचार्य भगवान सिंह खंगार द्वारा लोक शिक्षण संचालनालय एवं समग्र शिक्षा अभियान के निर्देशानुसार विद्यालय प्रबंधन समिति के गठन एवं निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी उपस्थित सदस्यों को दी गई। निर्वाचन प्रक्रिया के लिए नरेश कुमार विश्वकर्मा, उच्च माध्यमिक शिक्षक को निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया। बैठक में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के अभिभावकों के साथ सामयिकता वाले बच्चों के वंचित वर्ग, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के अभिभावक, स्थानीय निकाय प्रतिनिधि, विषय विशेषज्ञ, विद्यालय के पूर्व छात्र, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, शिक्षक-शिक्षिकाएं



एवं अन्य नागरिक उपस्थित रहे।

पारदर्शी एवं समावेशी प्रक्रिया से हुआ चयन: उपस्थित अभिभावकों एवं सदस्यों के बीच शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के चयन के लिए पारदर्शी एवं समावेशी निर्वाचन प्रक्रिया अपनाई गई। अनुपातिक प्रतिनिधित्व के आधार पर सदस्यों का चयन किया गया। चयनित सदस्यों में से ग्राम पंचायत गढ़ी के सरपंच सैयद मसूद अली पटेल एवं वरिष्ठ स्थानीय नागरिक बृजलाल जाटव द्वारा मुनालाल

जी यादव को अध्यक्ष तथा श्रीमती रानी नंदलाल चौरसिया को उपाध्यक्ष बनाए जाने का प्रस्ताव रखा गया।

सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित, निर्वाचन निर्विरोध सम्पन्न: अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद के लिए प्रस्तावित नामों के पक्ष में उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से अपना समर्थन दिया। किसी अन्य सदस्य द्वारा नाम प्रस्तावित नहीं किए जाने से निर्वाचन प्रक्रिया निर्विरोध पूर्ण हुई तथा उपस्थित सदस्यों की सहमति से प्रस्ताव पारित

किया गया। बैठक के दौरान ग्राम पंचायत गढ़ी के सरपंच सैयद मसूद अली पटेल, उपसरपंच एवं स्थानीय निर्वाचित प्रतिनिधि बृजेश कुमार जाटव, वरिष्ठ भाजपा नेता भागचंद चौरसिया, पूर्व जनपद सदस्य खेमचंद चौरसिया, रवि चौरसिया, शराफत खां, सैयद आफताब अली, नितिन माहेश्वरी कैलाश विश्वकर्मा, रवि विश्वकर्मा, सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं विद्यालय परिवार के सदस्य मौजूद रहे। इसके अलावा शाला प्रबंधन समिति के मिडिल स्कूल के अध्यक्ष दुलीचंद जाटव, संदीप चौरसिया, नंदलाल चौरसिया, महेंद्र यादव, राकेश विश्वकर्मा, फैज मोहम्मद, रामकुमारी यादव, रामकुमारी सेन, रमा बाई, संस्था बाई, हेमलता बाई, शांति बाई, रजनी बाई, वंदना बाई पटवा, आंगनवाड़ी एवं आशा कार्यकर्ता, पूर्व छात्र आदर्श मालवीय सहित विद्यालय परिवार के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

फर्जी शेयर ट्रेडिंग ऐप से करोड़ों की साइबर ठगी का भंडाफोड़, मास्टरमाइंड समेत 13 गिरफ्तार

ललितपुर साइबर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, इंदौर में चल रहे फर्जी कॉल सेंटर पर छापा, 6,357 संभावित पीड़ितों का डाटा बरामद

पुलिस गिरफ्त में आये सभी आरोपी मध्य प्रदेश के है निवासी साइबर ठगों पर ललितपुर में अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई

समय जगत, ललितपुर। साइबर क्राइम थाना ललितपुर की टीम ने देशभर में शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले एक अंतरराज्यीय साइबर मास्टर का भंडाफेड़ करते हुए उसके मास्टरमाइंड सहित 13 आरोपियों को मध्य प्रदेश के इंदौर से गिरफ्तार किया है। गिरोह फर्जी नोकिया सिक्वेरिटी नामक ऐप और वेबसाइट के माध्यम से लोगों को निवेश पर कई गुना लाभ का लालच देकर ठगी कर रहा था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 7 आईफोन, 31 मोबाइल फ़ोन, 18 डेस्कटॉप कंप्यूटर, एक लैपटॉप, दो वाई-फाई राउटर, महिंद्रा थार और ब्रेजा कार सहित बड़ी मात्रा में डिजिटल उपकरण बरामद किए हैं।

पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह के पर्यवेक्षण में संचालित इस कार्रवाई की शुरुआत एक शिकायत से हुई, जिसमें एक व्यक्ति से शेयर मार्केट में अधिक लाभ दिलाने के नाम पर 70 हजार रुपये की साइबर ठगी की गई थी।



जांच के दौरान साइबर पुलिस को एक संगठित अंतरराज्यीय गिरोह का पता चला, जो फर्जी वेबसाइट और मोबाइल एप्लीकेशन के जरिए लोगों को शेयर ट्रेडिंग में निवेश के लिए प्रेरित करता था। निवेश के बाद ऐप

पुलिस की गिरफ्त में आये साइगर ठगों की यह रही पहचान

पुलिस ने साइबर ठगी का खुलासा करते हुए मास्टरमाइंड सहित 13 ठगों गिरफ्तार किया है। जिनकी पहचान राज गिरि गोस्वामी निवासी ग्राम भोगौर थाना सुजालपुर, दीपक राजपूत ग्राम जावड़िया घरवास, थाना कालापीपल, दीपक राजपूत उर्फ दीपक ठाकुर ग्राम जावड़िया घरवास थाना कालापीपल, सुरेन्द्र राजपूत ग्राम पिपलौद थाना सुजालपुर सिटी, लक्ष्मी राजपूत ग्राम रोसला थाना कालापीपल जनपद शाजापुर, रविन्द्र पाल सारंगपुर थाना सारंगपुर, जनपद राजगढ़, राज यादव ग्राम कठऊपहाड़ी, थाना सेन्दरी जनपद निवाड़ी, सूरज धाकड़ निवासी बैराढ़ थाना बैराढ़, प्रदीप धाकड़ निवासी ग्राम हिममतगढ़ थाना सुभाषपुरा अरुण लोधी निवासी ग्राम मामोनी, थाना करेरा, आकाश धाकड़ ग्राम जमको, थाना सिरसौद जनपद शिवपुरी, विष्णु प्रसाद निवासी थाना बाणगंगा, जनपद इंदौर, छया शाकले निवासी ग्राम कोहड़द, थाना बोरगांव जनपद खंडवा के रूप में हुई है। आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

जलबिहार की त्यवस्थाओं के लिए श्रीरामलीला हनुमान जयंती महोत्सव समिति ने सौंपे ज्ञापन

समय जगत, ललितपुर। श्रीरामलीला हनुमान जयंती महोत्सव समिति द्वारा अध्यक्ष पं.बुजेश चतुर्वेदी के नेतृत्व में जलबिहार पर्व जो कि 22 सितंबर मंगलवार को आ रहा है। इसके संबंध में एक ज्ञापन जिलाधिकारी, एसडीएम, एसपी एवं नपाध्यक्ष व ईओ को सौंपा गया। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी जल विहार पर्व डोल ग्यारस धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। इसके संबंध में उक्त पर्व से पूर्व नगर के सभी देवालियों के मार्ग समतलीकरण व सफाई व्यवस्था सुनिश्चित किया जाना अति आवश्यक है। शोभायात्रा रघुनाथ जी मंदिर चौबयाना से रावरपुरा, महावीरपुरा, घंटाघर होते हुए सावरकर चौक, तालाबपुरा से सुमेरा तालाब के घाट एवं जल विहार मैदान तक जाना है। इसलिए सुमेरा तालाब के बंध एवं घाटों की मरम्मत सफाई व बिजली की व्यवस्था की जाना अति आवश्यक है। उक्त व्यवस्थाएं अपने स्तर से संबंधित विभागों को करवाए जाने हेतु दिशा निर्देश जारी करना अति आवश्यक है। चौक वर्तमान में जिस



घाट पर विमान का विहार होता है उस पर वोट क्लब बना दिया गया है जिससे जल विहार पर्व पर परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अतएव तालाब पर जलबिहार स्थान पर प्रतिवर्ष जन भागीदारी बढ़ रही है। अतिक्रमण से स्थान कम होता जा रहा है। अतएव अतिक्रमण पर ध्यान देने व वोट क्लब को विगत वर्षों की भांति पहले से किसी अन्य जगह स्थानांतरित किया जाना आवश्यक है। जलविहार पर्व नगर के जनमानस की भावनाओं के अनुरूप विशाल पर्व है। पुलिस अधीक्षक को दिए गए ज्ञापन में मार्ग की ट्रैफिक व्यवस्था व

तालाब पर गोताखोरों की व्यवस्था व तालाब के घाट पर पुरुष पुलिस व महिला पुलिस व्यवस्था पुलिस विभाग द्वारा की जाती है। अपने स्तर से संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश जारी करने की मांग की गयी। इस दौरान वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्यामाकांत चौबे, प्रबंधक हरविंदर सिंह सलूजा, कोषाध्यक्ष अमित तिवारी, महामंत्री डा.प्रबल सक्सेना, मंत्री राकेश तामिया, ऑडिटर चंद्रशेखर राठौर, संयोजक जगदीश पाठक, शिवकुमार शर्मा, धर्मेन्द्र चौबे, अवधेश कौशिक, पं.मुन्नालाल त्यागी, शुभम कौशिक, के.के.साहू, आदि मौजूद रहे।

समाजवादी पार्टी की जिला इकाई ने निवाड़ी की समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन



अरविन्द गुप्ता : समय जगत, निवाड़ी । समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष श्री राजीव यादव के नेतृत्व में आज कलेक्टर कार्यालय पहुंच कर जिले की ज्वलंत समस्याओं के निदान हेतु ज्ञापन सौंपा जिसे डिप्टी कलेक्टर श्री तलया जी द्वारा लिया गया ज्ञापन में प्रमुख भागों में सिंदूर सागर तालाब से सही निकाली न हो पाने के कारण अत्यधिक वर्षा से तालाब अधिक भरने से फटने का डर एवं आसपास के डिमरपुरा ग्राम के तालाब के आसपास रहने वालों के घरों में पानी भरने से हुए नुकसान की छत्ती पूर्ति, एवं अत्यधिक वर्षा से किसानों की फसल नष्ट होने पर मुआवजा दिलाए जाने , निवाड़ी जिला चिकित्सालय में उचित व्यवस्थाएं किये जाने, निवाड़ी जिले में अवैध शराब के अंडू बंद किया जाने , एवं राजपुर से मजरा मकारा नीम खेरा तक सड़क बनाए जाने हेतु मांगें रखीं गई ज्ञापन देने वालों में जिला अध्यक्ष श्री राजीव यादव, श्री सुशील रावत, श्री देवेन्द्र कुशवाहा, श्री यूसुफखान , श्री ओम प्रकाश यादव, श्रीमोहन अहिरवार, श्री सोनू पटेल श्री रामजी कुशवाहा, श्री कुलदीप पवन रायकवार आदि उपस्थित रहे ।

अंतर्राष्ट्रीय गिद्ध दिवस पर विद्यार्थियों ने जाना गिद्धों का महत्व

समय जगत, ललितपुर। अंतर्राष्ट्रीय गिद्ध दिवस के अंतर्गत उच्च प्राथमिक विद्यालय रघुनाथपुरा में विद्यार्थियों के लिए गिद्ध संरक्षण एवं पर्यावरण जागरूकता से संबंधित विशेष गतिविधि आयोजित की गई। सहायक अध्यापिका उर्वशी साहू के दिशा-निर्देशन में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने गिद्धों के पर्यावरणीय महत्व, प्रकृति के संतुलन में उनकी भूमिका तथा उनके संरक्षण की आवश्यकता के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक गिद्धों के चित्रों में सुंदर रां भरकर उन्हें अवैध पराब के अंडू बंद किया जाने , एवं आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को गिद्धों जैसे महत्वपूर्ण पक्षियों के संरक्षण के प्रति जागरूक करना तथा उनमें प्रकृति और जैव विविधता के प्रति प्रेम एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा।

- आदर्श समायोजित शिक्षक शिक्षा मित्र वेलफेयर एसोसिएशन ने राज्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

- मुख्यमंत्री से मांग पूरी कराने की अपील

समय जगत, । आदर्श समायोजित शिक्षक शिक्षा मित्र वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल ने जिलाध्यक्ष भगवत सिंह बैस के नेतृत्व में राज्यमंत्री मनोहर लाल से मुलाकात कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधि मंडल ने शिक्षामित्रों

में शामिल किए जाने की मांग उठाई।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पाने का आग्रह किया।

शिक्षामित्र भी सरकार का ही एक अंग

जान पान

मेले के बजट में कथित बंदरबांट के लगे आरोप

त्यवस्थाओं पर उठे सवाल- दिया जले, बाती जले, नाम नगर पालिका महोबा का होय !

महोबा। बुदेलखंड की ऐतिहासिक धरती पर आयोजित कजली मेला अपनी परंपरा, संस्कृति और भव्य आयोजनों के लिए जाना जाता है, लेकिन इस बार मेले की व्यवस्थाओं और खर्च को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि नगर पालिका परिषद महोबा द्वारा मेले के नाम पर लाखों रुपये का बजट खर्च किया गया, लेकिन जमीनी हकीकत और कागजी खर्च के बीच अंतर दिखाई दे रहा है। अब घोड़ों की व्यवस्था और उनके भुगतान को लेकर भी चर्चाओं का बाजार गर्म है।बताया जा रहा है कि कजली मेले के दौरान लगभग 40 से 50 घोड़ों को बुक किए जाने की व्यवस्था की गई थी। मेला समाप्त होने के बाद कथित तौर पर घोड़ा मालिकों को प्रति घोड़ा 800 रुपये के हिसाब से भुगतान किए जाने की बात सामने आ रही है। यह यह संख्या और भुगतान सही है, तो कुल रकम हजारों रुपये में बैठती है। ऐसे में सवाल यह है कि घोड़ों की बुकिंग से लेकर उनके ठहरने, चारे, देखरेख और अन्य व्यवस्थाओं के नाम पर नगर पालिका द्वारा कुल कितना बजट निर्धारित किया गया था और वास्तविक रूप



से कितना खर्च हुआ सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या घोड़ों की संख्या, बुकिंग अवधि और भुगतान का पूरा रिकॉर्ड नगर पालिका के पास उपलब्ध है? यदि रिकॉर्ड मौजूद है तो उसे सार्वजनिक क्यों नहीं किया जा रहा? क्या प्रत्येक घोड़ा मालिक को भुगतान की रसीद दी गई? क्या घोड़ों की उपस्थिति का सत्यापन किसी जिम्मेदार अधिकारी या कर्मचारी द्वारा किया गया था? इन सवालों का जवाब सामने आना जरूरी है।स्थानीय लोगों का आरोप है कि सरकारी

धन जनता का गाढ़ा कमाई से आता है और उसके प्रत्येक रुपये का हिसाब-किताब पारदर्शी होना चाहिए। मेले के आयोजन के नाम पर यदि लाखों रुपये का बजट खर्च किया गया है तो नगर पालिका को खर्च का जा पूरा विवरण सार्वजनिक करना चाहिए, ताकि किसी प्रकार की आशंका या सवाल की गुंजाइश न रहे।कजली मेला केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि महोबा की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा पर्व है। ऐसे में मेले के बजट को लेकर

उठ रहे सवाल आयोजन की प्रतिष्ठा पर भी असर डाल रहे हैं। आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी यदि खर्चों की पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं करते हैं तो इससे न केवल नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल उठेंगे, बल्कि सरकार की पारदर्शिता और भ्रष्टाचार के विरुद्ध नीति की छवि भी प्रभावित हो सकती है।लोगों की मांग है कि जिला प्रशासन पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराए और कजली मेले में स्वीकृत बजट, टेंडर, भुगतान, घोड़ों की बुकिंग, उपस्थिति रजिस्टर तथा संबंधित बिल-वाउचर की जांच कराए। जांच में यदि अनियमितता सामने आती है तो जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।अब देखने वाली बात यह होगी कि नगर पालिका महोबा इन आरोपों पर क्या खर्च किए गए।लाखों रुपये का पूरा हिसाब सहित अन्य न्यायिक अधिकारीगण, कर्मचारीगण, एवं अधिवकागण आदि मौजूद रहे। प्रभारी जनपद न्यायाधीश द्वारा बताया गया कि प्रचार वाहनों के द्वारा नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में लाउड स्पीकर के माध्यम से 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने

12 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार वाहन को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

महोबा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा आयोग लखनऊ के निर्देशानुसार दिनांक 12 सितंबर 2026 को प्रातः 10:00 बजे से जनपद न्यायालय महोबा व प्रत्येक तहसील में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है।

दिनांक 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु प्रभारी जनपद न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण महोबा ध्रुव वाहन द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। इस दौरान श्रीमति सदीप चौहान अपर जिला जज (पॉक्सो कोर्ट) तेन्द्र पाल अपर जिला जज (एस0सी0/एस0टी0 कोर्ट) नदीम अनवर, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, हरिहर गुप्ता सिविल जज (सी0डि0) / सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण महोबा सहित अन्य न्यायिक अधिकारीगण, कर्मचारीगण, एवं अधिवकागण आदि मौजूद रहे। प्रभारी जनपद न्यायाधीश द्वारा बताया गया कि प्रचार वाहनों के द्वारा नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में लाउड स्पीकर के माध्यम से 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने



वाली लोक अदालत के सम्बन्ध में लोगों को जागरूक किया जायेगा। उन्होंने बताया कि दिनांक 12 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में समस्त प्रकार के शमनीय अपराधिक वाद, धारा-138 के वाद, वाहन दुर्घटना प्रतिकर के वाद, वैवाहिक वाद, श्रम वाद, भूमि अधिग्रहण के वाद, दीवानी वाद, बैंक वसूली वाद, किरायेदारी वाद, राजस्व वाद, वन अधिनियम के वाद, दीवानी/आपराधिक अपील, उपभोक्ता वाद, ट्रैफिक चालानी वाद, वेट एण्ड मेजरमेंट एक्ट के चालानी वाद, नगर पालिका चालानी वाद, पुलिस एक्ट के चालानी वाद, विद्युत अधि0 के वाद, शहरी विकास अधि0 के वाद,

सिमेंटेडग्राफी एक्ट के चालानी वाद व आबकारी अधि0 के चालानी वादों को आपसी सुलह समझौते के आधार पर अधिक से अधिक संख्या में निस्तारण कराये जाने हेतु वादी व प्रतिवादी उपस्थित होंगे। यह भी कहा कि यदि पक्षकार सुलह समझौते के मामले का निपटारा कराते है तो वह अन्तिम रूप से निस्तारित हो जाता है। उसमें कोई अपील नहीं होती है। साथ ही जनपद न्यायाधीश ने आमजन से अपील करते हुये कहा कि वे अधिक से अधिक संख्या में न्यायालय पहुंचकर सुलह समझौते के माध्यम से अपना वाद निस्तारित कराते हुये राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ प्राप्त करें।

साक्षि समाचार

पूर्व कांग्रेस विधायक गुलाब कमरो ने फेसबुक पर तस्वीर पोस्ट कर पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल



समय जगत, मनेंद्रगढ़। मनेंद्रगढ़। भरतपुर-सोनहत के पूर्व कांग्रेस विधायक गुलाब कमरो ने फेसबुक पर एक तस्वीर पोस्ट करते हुए मनेंद्रगढ़ की कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पर सवाल खड़े किए हैं। तस्वीर में रेलवे कॉलोनी की महिलाएं रात के समय लाठी-डंडों के साथ पहरेदारी करती नजर आ रही हैं। यदि यह तस्वीर मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था की वास्तविक स्थिति को दर्शाती है, तो यह अपने आप में गंभीर चिंता का विषय है। सवाल यह है कि जब क्षेत्र में मंत्री और पुलिस अधीक्षक जैसे जिम्मेदार पदाधिकारी मौजूद हैं, तब महिलाओं को अपनी सुरक्षा के लिए रात में खुद पहरेदारी क्यों करनी पड़ रही है? मंत्री जी के गृह क्षेत्र में ही यदि नागरिकों को सुरक्षा को लेकर इस तरह जागना पड़े, तो जिले के अन्य इलाकों में कानून-व्यवस्था की स्थिति क्या होगी? बढ़ती चोरी और नशे के कारोबार को लेकर पहले से उठ रहे सवालों के बीच अब पूर्व विधायक की पोस्ट ने पुलिसिंग और सुरक्षा व्यवस्था पर नई बहस छेड़ दी है। क्या पुलिस प्रशासन इस तस्वीर का संज्ञान लेकर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करेगा?

अपमिश्रित गुटखा फैक्ट्री का किया गया पर्दाफाश



समय जगत, बांदा। थाना कोतवाली नगर पुलिस टीम द्वारा मोहल्ला शंकरनगर में अवैध रूप से संचालित नकली एवं अपमिश्रित गुटखा फैक्ट्री का भंडाफोड़ करते हुए 1 अभियुक्त चन्द्रप्रकाश उर्फ चन्दू पुत्र मूलचन्द निवासी शंकर नगर थाना कोतवाली नगर को गिरफ्तार किया गया। थाना कोतवाली नगर पुलिस को सूचना मिली कि मोहल्ला शंकरनगर निवासी चन्द्रप्रकाश उर्फ चन्दू अपने मकान में अवैध रूप से गुटखा का निर्माण कर रहा है। सूचना का तत्काल संज्ञान लेते हुए थाना कोतवाली नगर पुलिस टीम द्वारा मौके पर छापेमारी की गई। पुलिस टीम ने मकान में अवैध रूप से गुटखा का निर्माण करते हुए अभियुक्त को मौके से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान मौके से गुटखा बनाने वाली मशीन, अर्द्धनिर्मित गुटखा एवं गुटखा निर्माण में प्रयुक्त सामग्री सहित अन्य सामान भारी मात्रा में बरामद किया गया। जिसकी अनुमानित कीमत करीब 3.5 लाख रुपये है। अभियुक्त ने बताया कि वह कानपुर से गुटखा निर्माण की सामग्री लाकर अपने मकान में पिछले कई दिनों से अवैध रूप से नकली एवं अपमिश्रित गुटखा तैयार कर रहा था। तैयार गुटखे को आसपास के क्षेत्रों में सप्लाई कर अवैध रूप से आर्थिक लाभ अर्जित करता था। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध थाना कोतवाली नगर पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सपा कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदेशाध्यक्ष का किया गया स्वागत



समय जगत राठ (हमीरपुर)। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल का को मुक्तक करबे के तिराहे पर सपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। लखनऊ से राठ कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे प्रदेश अध्यक्ष का काफिला जैसे ही बस स्टैंड के पास पहुंचा, कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया। इस दौरान सपा के पूर्व प्रदेश सचिव लोहिया वाहिनी राजू यादव, विपिन मंत्री, गुड्डू महाराज, देवेंद्र प्रजापति, श्याम बिहारी फौजी तथा लोहिया वाहिनी के पूर्व जिला आध्यक्ष वसीम बेग सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने प्रदेश अध्यक्ष को माला पहनाकर स्वागत किया। उनके साथ चल रहे पुष्पेंद्र यादव का भी कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने कार्यकर्ताओं से आगामी 2026 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लोग बेरोजगारी, महंगाई समेत कई समस्याओं से परेशान हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर पार्टी को मजबूत करने और आगामी चुनाव में पूरी ताकत से जुटने का आह्वान किया। कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर संगठन के लिए काम करने का मंत्र देने के बाद प्रदेश अध्यक्ष लोहेशश्याम ने आयोजित कार्यक्रम एवं समेलन के लिए रवाना हो गए। इस दौरान, सपा नेता सुखसिंह यादव, पूर्व ब्यूरो प्रमुख सतपाल यादव, पूर्व विधायक अनिल अहिरवार, युवजन सभा के निवर्तमान जिलाध्यक्ष दानिश खान, राजपूत चंद्रवादी वर्मा, महेंद्र सिंह वीरा, रविंद्र राजपूत, जिला पंचायत सदस्य विमलेश अहिरवार, मोनू अहिरवार सहित अनेकों सपाईं मौजूद रहे।

अपर एसपी द्वारा कोतवाली नगर व कबरई के विवेचकों का आयोजित किया गया अर्दली रूम

समय जगत, महोबा। पुलिस अधीक्षक महोबा श्री शशांक सिंह के निर्देशन में जनपद में अपराध नियंत्रण, विवेचनाओं के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण तथा लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण हेतु लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में आज अपर पुलिस अधीक्षक महोबा श्रीमती वन्दना सिंह द्वारा थाना कोतवाली नगर एवं थाना कबरई के समस्त उपनिरीक्षकों/विवेचकों का अर्दली रूम आयोजित कर विभिन्न प्रकरणों की गहन समीक्षा की गई।

अर्दली रूम के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा उपस्थित समस्त विवेचनाधिकारियों से उनके द्वारा की जा रही विवेचनाओं एवं लंबित प्रकरणों के संबंध में बिंदुवार जानकारी प्राप्त की गई। इस दौरान लंबित विवेचनाओं, ह्छक्र वांछित अपराधियों के विरुद्ध की गई कार्यवाही, गुमशुदा/अपहता की बरामदगी,



पंचायतनामा जांच, प्रकरणों, शिकायत प्रार्थना पत्रों के निस्तारण, तामील तथा निरोधात्मक कार्यवाही की प्रगति की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान

विकास पथ सेवा संस्थान ने खेरिया व अरछा बरेठी के बाढ़ पीड़ितों को बांटी राहत सामग्री

समय जगत, चित्रकूट। जिले की अग्रणी सामाजिक संस्था विकास पथ सेवा संस्थान, जनपद चित्रकूट द्वारा बाढ़ पीड़ित ग्राम अरछा-बरेठी व खेरिया कलवारा में राहत सामग्री का वितरण किया गया।



राहत वितरण कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक डॉ. प्रभाकर सिंह, समाजसेवी सभासद एवं वरिष्ठ पत्रकार शंकर यादव तथा युवा समाजसेवी विकास यादव का सराहनीय योगदान रहा। संस्था के निदेशक डॉ. प्रभाकर सिंह ने कहा कि हमारी संस्था पिछले कई वर्षों से शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, कृषि एवं आगुदा राहत के क्षेत्र में कार्य कर रही है। जिले में माँ मंदाकिनी में आई बाढ़ और अतिवृष्टि से जहाँ-जहाँ भी प्राकृतिक आपदा आई है, वहाँ जाकर संस्था पीड़ित लोगों की सेवा में जुटी हुई है। मानवता की सेवा करना हमारा मुख्य लक्ष्य है, बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री का वितरण किया जा रहा है। जिनके घर गिर गए हैं, उन्हें शासन-प्रशासन से समन्वय बनाकर प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री आवास दिलाए का भी प्रयास किया जाएगा। सभासद शंकर यादव ने कहा कि वैसे भी जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में प्रशासन की टीम बाढ़ पीड़ितों की सेवा में लगी हुई है। जिनको भी प्राकृतिक आपदा से क्षति हुई है, उन्हें सरकार द्वारा मुआवजा भी दिया जाएगा। यदि कोई वंचित रह जाता है तो हम सब लोग उसकी मदद करेंगे और सरकार से मुआवजा दिलाने का प्रयास करेंगे।

जनपद में 9वें राष्ट्रीय पोषण माह का हुआ शुभारंभ

आहार विविधता, पर्याप्त प्रोटीन, मातृ-शिशु स्वास्थ्य एवं कुपोषण की रोकथाम पर रहेगा विशेष जोर



समय जगत हमीरपुर। बाल विकास सेवा एवं पुष्टहार विभाग द्वारा 9वें राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ दिनांक 9 सितंबर को कल्प वृक्ष सभागार, कुछेछ, हमीरपुर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी श्री अरुण कुमार सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी राजा अधिकारी, अपर जिला पंचायत अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी/प्रभारी, मुख्य सेविकाएं एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियां उपस्थित रही। कार्यक्रम के दौरान माननीय मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता एवं माननीय केंद्रीय मंत्री,

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार श्रीमती अन्नपूर्णा जी की गरिमामयी उपस्थिति में रुद्राक्ष इंटरनेशनल को-ऑपरेशन एंड कन्वेंशन सेंटर, वाराणसी में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का पूर्वाह्न 11 बजे से सजीव प्रसारण वेबकास्ट के माध्यम से अवलोकन किया गया। इसमें विभागीय अधिकारियों, मुख्य सेविकाओं तथा फंटेलाइन कार्यकर्ताओं ने व्यापक सहभागिता की। सजीव प्रसारण के दौरान माननीय मुख्यमंत्री जी ने पोषण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बच्चों, किशोरियों, गर्भवती एवं धात्री माताओं में पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा कुपोषण की रोकथाम के लिए

जनभागीदारी को मजबूत करना अत्यंत आवश्यक है। इसी क्रम में जनपद में भी राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान पोषण जागरूकता, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, संतुलित आहार, स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पौष्टिक खाद्य पदार्थों के उपयोग तथा कुपोषण से बचाव के संबंध में व्यापक जागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएंगी। इस वर्ष राष्ट्रीय पोषण माह की प्रमुख थीम में आहार विविधता एवं पर्याप्त प्रोटीन, आंगनवाड़ी केंद्रों पर ताजा पका भोजन, समुदायिक स्वामित्व एवं जवाबदेही, बाल विकास हेतु पोषण एवं प्रारंभिक उद्दीर्घन तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के माध्यम से मातृ स्वास्थ्य हेतु नकद हस्तान्तरण को

प्रमुखता दी गई है। जनपद में राष्ट्रीय पोषण माह 09 सितंबर से 08 अक्टूबर 2026 तक मनाया जाएगा। इस अवधि में आंगनवाड़ी केंद्रों पर सप्ताहवार निर्धारित गतिविधियों के माध्यम से बच्चों, किशोरियों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं तथा उनके परिवारों को पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान की जाएगी। साथ ही समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए कुपोषण की रोकथाम एवं स्वस्थ बाल विकास के लिए जनजागरूकता अभियान चलाए जाएंगे।

कार्यक्रम के दौरान दो गर्भवती महिलाओं की गोदभरवाई तथा दो बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी कराया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन बाल विकास परियोजना अधिकारी श्रीमती प्रीति भिलवारे द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री इन्द्रपाल सिंह ने उपस्थित अधिकारियों, मुख्य सेविकाओं एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों का आभार व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय पोषण माह को जनभागीदारी के साथ सफल बनाने का आह्वान किया।

कृषि, पशुपालन और बागवानी अपनाकर बढ़ाएं किसान अपनी आय

बरवार में कृषि एवं पशुधन विकास कैम्प, 50 महिला-पुरुष किसानों ने लिया भाग

समय जगत चित्रकूट। मऊ, 9 सितंबर 2026। हंस आजीविका परियोजना के तहत सचिवालय बरवार में अंतर्राष्ट्रीय कृषि दिवस एवं पशुधन विकास कैम्प का आयोजन किया गया। इसमें मखई कला एवं बरवार के करीब 50 महिला-पुरुष किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम में पशु चिकित्साधिकारी विकासखंड मऊ आर. एस. गौतम ने पशुओं के टीकाकरण, संतुलित आहार, स्वास्थ्य एवं रख-रखाव की जानकारी दी। जिला उद्यान अधिकारी प्रतिभा पांडेय ने किसानों को



बागवानी, फलदार पौधों की खेती, उद्यान विभाग की योजनाओं और उससे होने वाले लाभ के बारे में बताया। पशुधन विशेषज्ञ श्रीकांत एवं बागवानी विषय विशेषज्ञ सतनाम ने भी किसानों को आवश्यक जानकारी दी। इस अवसर पर आर. एस. गौतम एवं प्रतिभा पांडेय

ने आम का पौधा लगाकर वृक्षारोपण किया और किसानों से अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कृषि के साथ पशुपालन एवं बागवानी को अपनाकर किसानों की आय बढ़ाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में हंस आजीविका परियोजना के ब्लॉक समन्वयक मुकेश तिवारी, फील्ड समन्वयक जयप्रकाश, सीआरपी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजन में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि बरवार विमलेश कुमार निषाद का विशेष सहयोग रहा।

राज्य पुरस्कार परीक्षा में 143 स्काउट्स-गाइड्स शामिल



समय जगत, कोरिया। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, छत्तीसगढ़ राज्य मुख्यालय रायपुर के तत्वावधान में सरगुजा संभाग स्तरीय राज्य पुरस्कार जांच परीक्षा शिविर का शुभारंभ मंगलवार को कार्डिनल वॉरियर्स स्कूल, लाई-नागपुर में हुआ। पांच दिवसीय शिविर में सरगुजा संभाग के विभिन्न जिलों से 143 स्काउट्स एवं गाइड्स शामिल हो रहे हैं। शिविर में एमसीबी के अलावा सूरजपुर, कोरिया, जशपुर, बलारामपुर एवं सरगुजा जिले के प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। इस दौरान स्काउट्स एवं गाइड्स की निर्धारित गतिविधियों, दक्षताओं और विभिन्न मापदंडों के आधार पर राज्य पुरस्कार जांच परीक्षा ली जा रही है। शिविर का शुभारंभ प्रतिभागियों द्वारा बनाई गई बी.एस.जी. मानव श्रृंखला के साथ हुआ। इस दौरान स्काउट्स एवं गाइड्स ने एकता, अनुशासन और संगठन भावना का परिचय दिया। कार्यक्रम में राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) एवं लीडर ऑफ कोर्स डॉ. पूनम सिंह साहू, संकुल प्राचार्य नागपुर संतोष महादेवा, सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट त्रिभुवन शर्मा, मुख्य परीक्षक डॉ. सुरेन्द्र कुमार सोनी, मुख्य परीक्षक (गाइड) माधुरी यादव सहित अन्य अधिकारी, परीक्षक एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। डॉ. पूनम सिंह साहू ने कहा कि राज्य पुरस्कार केवल प्रमाण-पत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्काउट्स एवं गाइड्स में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, व्यक्तित्व विकास और सेवा भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। संतोष महादेवा ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें धैर्य और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा में भाग लेने की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन भारती दुबे ने किया, जबकि नागेश्वर साहू ने आभार व्यक्त किया। पांच दिवसीय शिविर के दौरान प्रतिभागियों की दक्षताओं, गतिविधियों, अनुशासन, सेवा भावना और नेतृत्व क्षमता का मूल्यांकन किया जाएगा। निर्धारित मापदंडों पर सफल प्रतिभागी राज्य पुरस्कार की प्रक्रिया में आगे बढ़ेंगे।

महिला जनप्रतिनिधि हैं सकारात्मक बदलाव की शिल्पकार: मुख्यमंत्री

सीएम ने कहा –प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को मिला नया आत्मविश्वास

चंडीगढ़, समय जगत। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि महिला जनप्रतिनिधि बदलाव की केवल साक्षी नहीं, बल्कि बदलाव की शिल्पकार हैं। महिलाएं जब निर्णय लेने की प्रक्रिया में भागीदारी करती हैं तो उनकी आवाज के साथ परिवार, समाज और राष्ट्र की आकांक्षाएं भी निर्णय के केंद्र तक पहुंचती हैं। महिला जनप्रतिनिधियों की सक्रिय और प्रभावी भागीदारी लोकतंत्र को अधिक संवेदनशील, समावेशी और जवाबदेह बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी फरीदाबाद स्थित सूरजकुंड में राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर बल्लगढ़ विधायक श्री मूलचंद शर्मा, बड़खल विधायक श्री धनेश अदलखा, नगर निगम महापौर प्रवीण बत्रा जोशी, हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन श्रीमती उषा प्रियदर्शिनी, ओडिशा विधानसभा की स्पीकर सुरमा पांडी भी मौजूद रहे। कार्यशाला में 20 राज्यों तथा 2 केन्द्र शासित प्रदेशों

की महिला विधायक एवं विधान परिषद सदस्य शामिल हुईं। इस दौरान विभिन्न विषयों पर विचार-मंथन, नवाचार, विधायी कार्यप्रणाली, नेतृत्व, संवाद, नीति निर्माण और जनप्रतिनिधियों की प्रभावी भूमिका से जुड़े विभिन्न सत्र आयोजित किए गए। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजय राहटकर तथा आयोग की पूरी टीम का विशेष रूप से आभार व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि महिला जनप्रतिनिधियों के विधायी ज्ञान, नेतृत्व क्षमता, संवाद कौशल और नीति निर्माण में प्रभावी भागीदारी को मजबूत करने की दिशा में आयोग का यह प्रयास सराहनीय है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला की थीम अपने आप में एक शक्तिशाली संदेश देती है। यह केवल एक शोषक नहीं, बल्कि एक विचार और संकल्प है कि महिलाएं बदलाव की साक्षी नहीं, बल्कि उसकी शिल्पकार हैं। उन्होंने कहा कि महिला जनप्रतिनिधि केवल अपने निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व नहीं

करतीं, बल्कि वे समाज को दिशा देने वाली शक्ति, लोकतंत्र को संवेदनशील बनाने वाली आवाज और देश के भविष्य को आकार देने वाली नेतृत्व क्षमता का प्रतिनिधित्व करती हैं। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने देश के विभिन्न राज्यों से आई महिला विधायकों का हरियाणा की ऐतिहासिक एवं पवित्र भूमि पर स्वागत और अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि यह वही भूमि है, जहां से भगवान श्रीकृष्ण ने कुरुक्षेत्र की पवित्र धरती पर मानव समाज को कर्म, ज्ञान और कर्तव्य का संदेश दिया। हरियाणा की इस ऐतिहासिक भूमि पर देश के विभिन्न राज्यों की महिला जनप्रतिनिधियों का एक साथ आना भारत की लोकतांत्रिक विविधता, नारी शक्ति और राष्ट्र निर्माण के सामूहिक संकल्प का जीवंत सांगम है। उन्होंने कहा कि पिछले दो दिनों में विभिन्न राज्यों से आई महिला जनप्रतिनिधियों ने अपने अनुभव, विचार और कार्यप्रणालियां साझा की हैं। अलग-अलग राज्यों में किए जा रहे सफल नवाचार दूसरे राज्यों के लिए प्रेरणा बन सकते हैं। अच्छी कार्यप्रणाली किसी



सीमा में बंधी नहीं रहती, बल्कि एक-दूसरे से सीखने के माध्यम से सुशासन को मजबूत करती हैं। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विधासभा केवल कागज बनाने का स्थान नहीं है,

बल्कि यह जनता की आवाज को नीति में बदलने का महत्वपूर्ण मंच है। एक प्रभावी विधायक की पहचान केवल इस बात से नहीं होती कि वह सदन में कितना बोलता है, बल्कि इससे होती है कि वह कितनी गहराई से विषयों को समझता है, तथ्यों का कितनी मजबूती से अध्ययन करता है और जनसमस्याओं के कितने व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र की समस्याओं को तथ्यों के साथ सदन में उठाना, विधेयकों पर गंभीरता से चर्चा करना और सरकार से जवाबदेही सुनिश्चित करना एक सजग जनप्रतिनिधि का मूल दायित्व है। महिला विधायक की भूमिका इससे भी व्यापक है, क्योंकि जब एक महिला विधायक सदन में बोलती है तो उसकी आवाज में केवल एक निर्वाचन क्षेत्र की अपेक्षाएं नहीं होतीं, बल्कि उस मां की चिंता, बेटी के सपने और महिलाओं के संघर्ष एवं आकांक्षाओं की आवाज भी शामिल होती है मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जब महिलाओं की आवाज निर्णय प्रक्रिया

में शामिल होती है तो नीतियों में संवेदना, निर्णयों में समावेशिता और शासन में न्याय की भावना मजबूत होती है। महिलाओं की भागीदारी केवल लोकतंत्र की तस्वीर नहीं बदलती, बल्कि लोकतंत्र के चरित्र को भी मजबूत करती है। उन्होंने कहा कि जब किसी गांव की महिला सरपंच निर्णय लेने की मेज तक पहुंचती हैं तो केवल एक महिला उस मेज तक नहीं पहुंचती, बल्कि उसके साथ उस गांव की हजारों महिलाओं की आवाज भी पहुंचती है। इसी सोच के साथ हरियाणा में पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व देकर उनकी भागीदारी को मजबूत किया गया है। उन्होंने कहा कि देश की आधी आबादी की प्रभावी भागीदारी के बिना विकास की तस्वीर पूरी नहीं हो सकती। गांव की बेटी और बहू आज परिवार के साथ-साथ पूरे गांव के विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। जहां महिला नेतृत्व होता है, वहां पारदर्शिता, संवेदनशीलता और जवाबदेही को बढ़ावा मिलता है।

सार-समाचार

सफाई कर्मचारियों की मांगों पर सरकार गंभीरता से कर रही विचार : मुख्यमंत्री



चंडीगढ़, समय जगत। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार सफाई कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह कृतसंकल्प है। सरकार ने सफाई कर्मचारियों की लगभग एक दर्जन मांगों को स्वीकार कर लिया है, जबकि शेष मांगों पर भी सरकार द्वारा सहानुभूतिपूर्वक और गंभीरता से विचार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी मंगलवार को होडल में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान सफाई कर्मचारियों की हड़ताल से संबंधित प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारी प्रदेश की स्वच्छता व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं और उनके योगदान को सरकार समझती है। सरकार का प्रयास है कि कर्मचारियों की जायज मांगों का समाधान बातचीत और आपसी सहमति के माध्यम से किया जाए। उन्होंने कहा कि अनेक कर्मचारी काम पर वापस भी आए हैं। उन्होंने सफाई कर्मचारियों से भी अपील की कि वे जनहित को ध्यान में रखते हुए अपना सहयोग बनाए रखें। प्रदेश सरकार सफाई कर्मचारियों की मांगों पर सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ सोच विचार आवश्यक कर रही है। उन्होंने सफाई कर्मचारियों से ड्यूटी पर लौटने का आह्वान किया। इस अवसर पर विधायक श्री हरेंद्र सिंह, विधायक श्री कृष्ण कुमार, पूर्व मंत्री श्री मूलचंद शर्मा उपस्थित रहे।

श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर पाकिस्तान में 22 नवंबर से 1 दिसंबर तक होंगे धार्मिक समारोह

चंडीगढ़, समय जगत। हरियाणा सरकार ने श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व (गुरुपूर्व) के पावन अवसर पर पाकिस्तान में 22 नवंबर, 2026 से 1 दिसंबर, 2026 तक आयोजित होने वाले धार्मिक समारोहों में भाग लेने के लिए सिख संगत से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि गृह विभाग, हरियाणा सरकार द्वारा इस प्रस्तावित सिख जत्थे में शामिल होने के इच्छुक श्रद्धालुओं से आवेदन मांगे गए हैं। इच्छुक सिख श्रद्धालु अपने आवेदन 12 सितंबर, 2026 तक या उससे पहले हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, कुरुक्षेत्र के पास जमा करवा सकते हैं, ताकि निर्धारित समय सीमा के भीतर पुलिस सत्यापन और अन्य आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की जा सकें। प्रवक्ता ने आग्रह किया है कि सभी आवेदक निर्धारित समय के भीतर अपने पूर्ण विवरण के साथ सभी आवश्यक दस्तावेज सलमन करके ही आवेदन जमा करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि अधूरे आवेदनों या निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त होने वाले आवेदनों पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा। समय सीमा के भीतर प्राप्त सभी आवेदनों को लागू नियमों और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आगे की कार्रवाई के लिए संसाधित किया जाएगा।

राज्य स्तरीय टेबल टेनिस स्पर्धा 17 से 20 सितंबर तक होगी आयोजित

गुरुग्राम। टेबल टेनिस के खिलाड़ियों को जिले में अपनी प्रतिभा दिखाने का बड़ा मंच मिलने का रहा है। हरियाणा टेबल टेनिस एसोसिएशन की ओर से दूसरी राज्य स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन 17 से 20 सितंबर तक सेक्टर-65 स्थित प्रज्ञानम स्कूल में किया जाएगा। इसमें प्रदेशभर से 400 से अधिक खिलाड़ियों के हिस्सा लेंगे। इच्छुक खिलाड़ियों को 13 सितंबर तक पंजीकरण कराना होगा। चार दिवसीय प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों में खिलाड़ियों के बीच मुकाबले होंगे। पुरुष वर्ग में अंडर-11, अंडर-13, अंडर-15, अंडर-17 और अंडर-19 बालक एकल वर्ग के मुकाबले होंगे। इसी तरह महिला वर्ग में अंडर-11, अंडर-13, अंडर-15, अंडर-17 और अंडर-19 बालिका एकल वर्ग में खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगी। अलग-अलग आयु वर्गों में होने वाले मुकाबलों में प्रदेश के विभिन्न जिलों से खिलाड़ी पहुंचेंगे। हरियाणा टेबल टेनिस एसोसिएशन के काषाध्यक्ष विकास अरोड़ा ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में खिलाड़ियों के पहुंचने की उम्मीद है। खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं और प्रतियोगिता के दौरान व्यवस्थित माहौल उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

एलीट अकादमी की टीम को मिली जीत

गुरुग्राम। एलिटेड स्पोर्ट्स अकादमी के मैदान पर मंगलवार को एलीट अकादमी की टीम ने द हसलर्स की टीम को 6 विकेट से शिकस्त दी। टीएस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी द हसलर्स की टीम ने 5 विकेट खोकर 20.1 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एलीट अकादमी की टीम ने 18.5 ओवर में 4 विकेट खोकर 20.2 रन बना लिए।

त्योहारी सीजन में चलाई जाएंगी चार स्पेशल ट्रेनें



दिल्ली, समय जगत। त्योहारी सीजन में यात्रियों को रेलवे ने बड़ी राहत दी है। इस सीजन में चार आरक्षित स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। इनमें आनंद विहार टर्मिनल से लौकहा बाजार (बिहार) और पाटलिपुत्र के लिए दैनिक ट्रेनों के संचालन के साथ योगनगरी ऋषिकेश-मुजफ्फरपुर के बीच साप्ताहिक और हजरत निजामुद्दीन-दादर के बीच साप्ताहिक सुपरफास्ट ट्रेन सेवा शुरू होगी। इससे दिल्ली से बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश और मुंबई जाने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी। ट्रेन संख्या 04014/04013 आनंद विहार टर्मिनल-लौकहा बाजार-आनंद विहार टर्मिनल आरक्षित फेस्टिवल स्पेशल 16 सितंबर से 29 नवंबर तक आनंद विहार से और 17 सितंबर से 30 नवंबर तक लौकहा बाजार से रोजाना चलेगी। ट्रेन

संख्या 04314/04313 योगनगरी ऋषिकेश-मुजफ्फरपुर-योगनगरी ऋषिकेश आरक्षित साप्ताहिक स्पेशल चार अक्टूबर से 29 नवंबर तक ऋषिकेश से और 5 अक्टूबर से 30 नवंबर तक मुजफ्फरपुर से चलेगी। वहीं ट्रेन संख्या 04002/04001 हजरत निजामुद्दीन-दादर-हजरत निजामुद्दीन आरक्षित सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल 13 अक्टूबर से 24 नवंबर तक निजामुद्दीन से और 15 अक्टूबर से 26 नवंबर तक दादर से चलेगी। यह ट्रेन मंगलवार को निजामुद्दीन से और बृहस्पतिवार को दादर से चलेगी। 04096/04095 आनंद विहार टर्मिनल-पाटलिपुत्र-आनंद विहार टर्मिनल आरक्षित स्पेशल ट्रेन 1 अक्टूबर से 29 नवंबर तक आनंद विहार और 2 अक्टूबर से 30 नवंबर तक पाटलिपुत्र से चलेगी।

वन मित्रों की बकाया राशि 15 सितंबर तक जारी करने के निर्देश

चंडीगढ़, समय जगत। हरियाणा के वन एवं पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वन मित्रों की वित्तवर्ष 2025-26 और 2026-27 की मैनेटेनेंस की बकाया राशि का भुगतान 15 सितंबर तक हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जिला वन अधिकारियों (डीएफओ), जो आवरण एवं विवरण अधिकारी भी हैं, को इस संबंध में स्पष्ट एवं सख्त निर्देश जारी करने को कहा। राव नरबीर सिंह ने कहा कि किसी भी मामले में डीएफओ की मनमानी नहीं चलेगी। वन मित्र पौधारोपण अभियान में वन विभाग और आमजन के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उन्होंने कहा कि वन मित्रों को निजी भूमि के साथ-साथ वन विभाग की भूमि पर भी पौधारोपण की अनुमति दी जानी



चाहिए, ताकि प्रदेश में हरित क्षेत्र बढ़ने और 'हरित हरियाणा' के लक्ष्य को प्रभावी ढंग से साकार किया जा सके। वन एवं पर्यावरण मंत्री आज वन मित्रों की मांगों से संबंधित लखित मुद्दों को लेकर विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुधीर राजपाल, प्रधान मुख्य वन संरक्षक डॉ. के.सी. मोणा, श्री टी.पी.

सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2026-27 के दौरान 635 वन मित्रों द्वारा करीब 4 लाख पौधे लगाए गए। इनमें से 2 लाख 14 हजार 992 पौधों का सत्यापन पोर्टल पर विवरण अपलोड करने के बाद वन रक्षकों एवं अन्य अधिकारियों द्वारा किया जा चुका है। राव नरबीर सिंह ने निर्देश दिए कि वन मित्रों के रूप में पंजीकरण के लिए पोर्टल को 30 सितंबर 2026 तक खुला रखा जाए। उन्होंने पहले से पंजीकृत वन मित्रों से भी अपने क्षेत्र के अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़ने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को भी वन मित्र के रूप में पंजीकृत करने की पहल करने के निर्देश दिए।

जिला पंचायत सदस्य दुर्गेश तिवारी पर दर्ज प्रकरण वापस लेने की उठी मांग

जिला पंचायत अध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस अधीक्षक को दिया गया ज्ञापन, मवेशियों की समस्या का समाधान कराने दिया जाएगा धरना

समय जगत, भोपाल। मध्यप्रदेश के शहडोल जिले के ब्योहारी क्षेत्र के गांवों में आगारा मवेशियों से फसलों को हो रहे नुकसान और उनके लिए सुरक्षित स्थान की व्यवस्था की मांग को लेकर जिला पंचायत वार्ड क्रमक-2 के ग्रामीणों ने प्रशासन के समक्ष ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने पूर्व से निर्धारित गोठान एवं चरागाह भूमि को खाली कराकर मवेशियों के लिए सुरक्षित व्यवस्था करने की मांग की है। साथ ही जिला पंचायत सदस्य एवं भाजपा नेता दुर्गेश तिवारी के खिलाफ दर्ज प्रकरण को निरस्त करने की मांग भी उठाई गई। ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में 19 और 21 अगस्त को कलेक्टर को आवेदन देकर प्रत्येक गांव में मवेशियों के लिए निर्धारित एवं सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराने की मांग की गई थी। इसके बाद 27 अगस्त को एसडीओपी ब्योहारी को भी

ज्ञापन सौंपा गया। ग्रामीणों का कहना है कि इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। ज्ञापन के अनुसार ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी दी थी कि मांगों का निराकरण नहीं होने पर 31 अगस्त को सभी गांवों के मवेशियों एवं किसानों को लेकर तहसील परिसर पहुंचेंगे। ग्रामीणों का आरोप है कि इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया और रास्ता अवरुद्ध किया गया। ज्ञापन में पुलिस द्वारा किसानों एवं महिलाओं के साथ मारपीट किए जाने के आरोप भी लगाए गए हैं।



ग्रामीणों के मुताबिक बाद में तहसीलदार ब्योहारी ने समस्याओं के समाधान के लिए 10 दिन का

आश्वासन दिया था, लेकिन इसी बीच जिला पंचायत सदस्य दुर्गेश तिवारी के खिलाफ प्रकरण

दर्ज कर दिया गया। जिला पंचायत सदस्य दुर्गेश तिवारी ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को झुठ बताते हुए उसे निरस्त करने की मांग की। ज्ञापन में उन्होंने किसानों की मांगों पर कार्रवाई किए जाने का आग्रह किया है। पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन जिला पंचायत अध्यक्ष प्रभा मिश्रा के नेतृत्व में सौंपा गया। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष ज्ञानवीर सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष एवं भाजपा दुर्गेश तिवारी, उपेन्द्र पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने प्रशासन से 15 सितंबर तक गोठान एवं चरागाह भूमि को खाली कराकर मवेशियों के लिए सुरक्षित व्यवस्था किए जाने की मांग की है। मांगें पूरी नहीं होने पर 16 सितंबर को सुबह 10-30 बजे तहसील ब्योहारी परिसर में शांतिपूर्ण धरना देने की चेतावनी दी गई है।

शिक्षा से आत्मविश्वास के साथ होता है चरित्र निर्माण: मुख्यमंत्री नायब सिंह

चण्डीगढ़, समय जगत। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से देशभर में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए 'विकसित भारत क्रिज' का आयोजन किया जा रहा है। 'माय भारत' पोर्टल के माध्यम से आयोजित इस पहल में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा भाग ले सकते हैं। एक सरकारी प्रवक्ता ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय युवा महोत्सव के स्वरूप में बदलाव करते हुए इसका नाम 'विकसित भारत युवा संवाद' रखा गया है। इसके माध्यम से देशभर के युवाओं को एक मंच पर लाकर राष्ट्रीय एकता, युवा सशक्तिकरण और नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा दिया जाएगा तथा विकसित भारत/2047 के विजन के अनुरूप युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि 'विकसित भारत क्रिज' 22 भाषाओं में आयोजित की जा रही है। इसका

उद्देश्य युवाओं में भारत के प्रति ज्ञान, जिज्ञासा और जागरूकता बढ़ाना तथा उन्हें देश के भविष्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विचार करने के लिए प्रेरित करना है। इसके माध्यम से भारतीय विविधता, देश की उपलब्धियों, विकास तथा विकसित भारत/2047 की परिकल्पना से जुड़े विषयों पर युवाओं के सामान्य ज्ञान एवं समझ का परीक्षण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विकसित भारत, चैलेंज ट्रेक पांच चरणों में आयोजित होगा। प्रथम चरण क्रिज 30 सितम्बर, 2026 तक, द्वितीय चरण निबंध 05 से 09 अक्टूबर, 2026 तक तृतीय चरण जिला चैंपियनशिप 10 से 16 नवम्बर, 2026



तक, चतुर्थ चरण जिला फ़ैक्टसिफ़िड भारत युवा संवाद 17 नवम्बर से 07 दिसम्बर, 2026 तक तथा पांचवां चरण राष्ट्रीय संवाद 10 से 12 जनवरी, 2027 तक होगा। चैलेंज ट्रेक के दौरान युवाओं को भविष्य का शासन, शहरी विकास एवं नागरिक सेवाएं, जलवायु सुरक्षा, जनसांख्यिकीय

लाभांश, मानव पूंजी एवं युवा विकास, सतत औद्योगिकीकरण, उद्यमिता एवं हरित विकास, जनजातीय नेतृत्व, समावेशी विकास, नवाचार, पर्यटन, प्रौद्योगिकी, रोगाणु क्षमता, डिजिटल अर्थव्यवस्था तथा वैश्विक प्रतिस्पर्धा सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार रखने का अवसर मिलेगा। राष्ट्रीय संवाद इस पूरी प्रक्रिया का महत्वपूर्ण चरण होगा।